मित्र समाचार

अंक 14 प्रकाशन 5 मई 2024

डंडे तो ऐसे लम्बे, कि उनके सिरे उस पवित्र स्थान से जो दर्शन–स्थान के साम्हने था दिखाई पड़ते थे परन्तु बाहर से वे दिखाई नहीं पड़ते थे। वे आज के दिन तक यहीं वर्तमान है। 1राजा 8:27

इस सार्वभौम परमेश्वर के सामने मैं कौन हूँ?

सर्व शक्तिमान ज्ञ व्यापी परमेश्वर

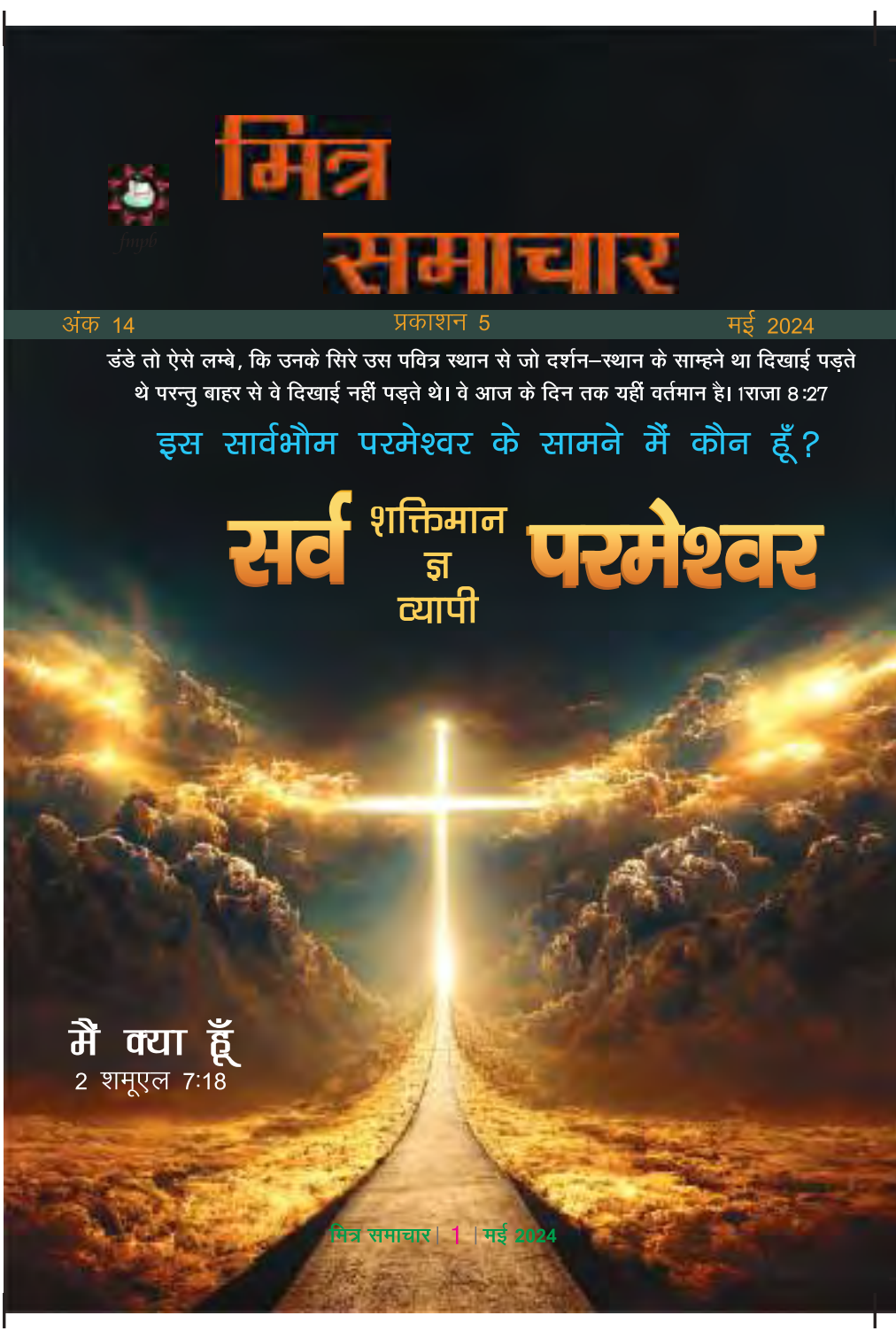

प्रथम पंक्ति...

मैं आपके प्रति भय खाता हूँ!

रविवार की एक सुबह, थियोलॉजिकल स्कूल के एक प्रशिक्षक ने स्वयं एक छोटे लड़के के साथ को ट्रेन में एक ही सीट पर बैठे हुए पाया। लड़के के हाथ में संडे–स्कूल पाठ का पर्चा था। ''क्या आप संडे स्कूल जाते हैं?'' उस व्यक्ति ने मित्रतापूर्ण ढंग से पूछा। ''हाँ, सर,'' लड़के ने उत्तर दिया। उस व्यक्ति ने उस लड़के के साथ कुछ मजाक करने के बारे में सोचते हुए पूछा, ''मुझे बताओ कि परमेश्वर कहाँ हैं, और मैं तुम्हें एक सेब दूँगा। ''लड़के ने तेजी से उस व्यक्ति की ओर देखा और झट से उत्तर दिया, ''यदि तुम मुझे बताओगे कि वह कहाँ नहीं है, तो मैं तुम्हें सेबों का एक पूरा बैरल दूंगा।''

केवल हमारे परमेश्वर का एक गुण ही हर समय सभी स्थानों पर मौजूद रहनेवाला गुण है (यिर्मयाह 23: 23, 24, कुलुस्सियों 1:16–17)। इसीलिए सुलैमान कहता है, ''क्या परमेश्वर सचमुच पृथ्वी पर वास करेगा, स्वर्ग में वरन् सबसे ऊँचे स्वर्ग में भी तू नहीं समाता, फिर मेरे बनाए हंए इस भवन में कैसे समाएगा! 1राजा 8:27। वह समय और स्थान से बंधा हुआ नहीं है। इसका मतलब यह नहीं कि प्रकृति ईश्वर का अंश है और इसलिए उसकी आराधना की जानी चाहिए। सृष्टि परमेश्वर से अलग है, लेकिन उससे स्वतंत्र नहीं है। इस प्रकार, हमारा परमेश्वर एक सर्वव्यापी ईश्वर है। शब्द ''सर्व'' परमेश्वर के चरित्र और स्वभाव के बारे में सच्चाई को प्रकट करता है। परमेश्वर के तीन सर्व–विशेषताएँ हैं:

सर्वशक्तिमान – यह असीमित शक्ति या अधिकार है... ''..क्योंकि प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान राज्य करता है'' (प्रकाशितवाक्य 19:6 NKJV)। इसका मतलब है कि उसके पास हमारी प्रार्थनाओं का उत्तर देने और जीवन के सभी खतरों से हमारी रक्षा करने की शक्ति, अधिकार और क्षमता है। उसके लिए कुछ भी मुश्किल नहीं है।

सर्वव्यापी – एक ही समय में सर्वत्र विद्यमान। यिर्मयाह 23:23–24 में परमेश्वर की सर्वव्यापकता का वर्णन किया गया है: ''यहोवा की यह वाणी है: क्या मैं ऐसा परमेश्वर हूँ, जो दूर नहीं निकट ही रहता हूँ? क्या कोई ऐसे गुप्त स्थानों में छिप सकता है कि मैं उसे न देख सकूं? क्या स्वर्ग और पृथ्वी मुझसे परिपूर्ण नहीं हैं? यहोवा की यह वाणी है। और नीतिवचन 15:3. इसका मतलब है कि वह भी अभी आपके और मेरे साथ हैं।

सर्वज्ञता – संपूर्ण ज्ञान; सब कुछ जानते हुए। सर्वज्ञता का वर्णन मत्ती रचित सुसमाचार में किया गया है: ''... क्योंकि तुम्हारा स्वर्गीय पिता जानता है कि तुम्हें इन सब वस्तुओं की आवश्यकता है'' (मत्ती 6:32), रोमियों 8:27, और 1यूहन्ना 3:20। इसका मतलब है कि वह आपको और मुझको व्यक्तिगत रूप से, पूरी तरह से और हर छोटी से छोटी बात को भी जानता है। क्या यह एहसास उत्साहवर्धक नहीं है कि ऐसा ईश्वर हमारा ईश्वर है और वह हमारे साथ है। परन्तु इन सबके लिए हम कौन हैं? परमेश्वर की सर्वव्यापकता विश्वासियों को प्रोत्साहित करती है और निराश लोगों को आशा प्रदान करती है। ईश्वर की सर्वज्ञता और वह हम पर कैसे प्रभाव डालती है, इस पर सक्रिय विचार हमें जीवन के प्रति एक नया दृष्टिकोण देगा। जो बाधाएँ भारी लगती हैं वे दूर हो जाएँगी। प्रलोभन कम आकर्षक होंगे। हमारा जीवन के विचार भी परिष्कृत हो सकता है। उनकी उपस्थिति हमें उनके लिए जीवन जीने हेतु मार्गदर्शन, प्रोत्साहन, आराम और मजबूती दे सकती है। यह सर्वव्यापी ईश्वर हमारे परिवारों और सेवकाई में हमारी सभी कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए पर्याप्त है!

– मर्सी सेल्विन (संचार विभाग)

किसने महासागर को चुल्लू से मापा और किसके बित्ते से आकाश का नाप हुआ, किसने पृथ्वी की मिट्टी को नपुए में भरा इसैज्ञ पहाडों को तराजू में और पहाड़ियों को काँटे में तौला है?

— यशायाह 40:12

इसमें कोई संदेह नहीं कि हम एक बड़े महान परमेश्वर की सेवा करते हैं। वह सर्वज्ञ, सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान है। आमिन!

— जेनिफर प्राइस

...आकाश मेरा सिंहासन, और पृथ्वी मेरे चरणों की चौकी है; तुम मेरे लिए कैसा भवन बनाओगे, और मेरे विश्राम का कौन सा स्थान होगा?

— यशायाह 66:1

आपको साहसी होना चाहिए, इसलिए नहीं कि आप कौन हैं और आपने क्या किया है, बल्कि इसलिए कि परमेश्वर कौन है और उसने क्या किया है!

— वेन ए. मैक

मित्र समाचार

हमारा दर्शन :

यीशु मसीह के सुसमाचार के साथ अपहुंच भारतीयों तक पहुँचना।

हमारा मिशन :

देश में यीशु मसीह के सुसमाचार का प्रचार करना, परिवर्तित समुदाय के निर्माण के लिए सेवा करना और उनकी बड़ी भागीदारी के लिए भारतीय कलीसियाओं के साथ दर्शन को साक्षा करना।

एफ.एम.पी.बी. देश भर में कलीसियाओं की स्थापना करने के लिए कलीसिया के अंग के रूप में कार्य करती है।

एफ.एम.पी.बी. विभिन्न जन समूहों के बीच में संतृप्ति सुसमाचार का प्रचार करती है। एफ. एम.पी.बी. कलीसियाओं, संस्थानों, परिवारों और व्यक्तियों को इसके काम में समर्थन देने और प्रार्थना करने हेतु आमंत्रित करती है।

टिप्पणी, सिफारिश
और अनुरोध के लिए
feedbackfmpb@fmpb.org

मित्र समाचार

एफ:एम.पी.बी. का मासिक पत्रिका

प्रकाशक एवं संपादक
एस. जॉन बर्लिन

अंशदान	भारत	विदेश
वार्षिक	100 रूपये	600 रूपये
आजीवन	600 रूपये	5,000 रूपये

H.Q: 29, High School Road, Ambattur,
Chennai - 600 053
Tel: +91-44-2657 0404 Fax: 2657 3353
Cell: 9444394342
E-mail: info@fmpb.org
Web site: www.fmpb.co.in

Layout and Preparation:
Communication Dept., fmpb

महासचिव की ओर से...

वंचितों तक पहुँचाने के मिशन में प्रिये सहभागियों,

1 मई को पूरी दुनिया में मजदूर दिवस के रूप में मनाया जाता है। पहला मजदूर दिवस 1 मई 1889 को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के रूप में मनाया गया था। शिकागो में हेमार्केट दंगे की स्मृति में समारोह की घोषणा की गई थी। दंगों को हेमार्केट अफेयर के नाम से भी जाना जाता है, जो 1886 में हुआ था।

सर्वोच्च ईश्वर उन सभी को पुरस्कृत करता है जो उसकी सेवकाई में परिश्रम करते हैं। 1कुरिन्थियों 15:58 कहता है कि "इसलिये हे मेरे प्रिय भाईयो, दृढ़ और अटल रहो, और प्रभु के नाम मे सर्वदा बढ़ते जाओ, क्योंकि यह जानते हो कि तुम्हारा परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।" क्योंकि हम जानते हैं कि हम ईश्वर की इच्छा के अनुसार उसके लिए जो कुछ भी करते हैं, वह किसी का ध्यान नहीं जाएगा या बिना पुरस्कार के नहीं जाएगा, बाइबल हमें दृढ़ता से खड़े रहने, सिरि रहने और खुद को पूरी तरह से प्रभु के कार्य में समर्पित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। शब्द 'पूरी तरह से' परमेश्वर की सेवकाई को आधे–अधूरे मन या लापरवाही से करने को निरस्त कर देता है। प्रभु अपने दाखलता में ईमानदारी और विश्वासयोग्यता के साथ काम करने में हमारी मदद करे।

उच्च अध्ययन समिति : उच्च अध्ययन समिति की बैठक 19 मार्च को हुई और आगे की पढ़ाई के लिए आवेदन करने वाले मिशनरियों के आवेदनों की जाँच की गई।

बी.ए.एफ. बोर्ड : बेथेल कृषि फेलोशिप बोर्ड की बैठक 21 और 22 मार्च 2024 को सेलम में हुई। बेथेल परिसर और सेवकाई शुरू से ही एफ.एम.पी.बी. से जुड़ा हुआ है। बेथेल की सेवकाई के लिए लगातार प्रार्थना करें।

बेंगलुरु प्रोफेशनल फोरम : हमने 23 मार्च को बेंगलुरु में बेंगलुरु प्रोफेशनल फोरम के साथ बैठक की। हमने मंच से संबंधित विभिन्न मामलों और मालतो प्राथमिक विद्यालय सेवकाई में उनकी भागीदारी पर चर्चा की।

गीत समिति : तमिलनाडु राज्य सम्मेलन 2024 में रिलीज होने वाले गीतों का चयन नियुक्त समिति द्वारा किया जाता है और गीतों की रचना की जा रही है। कृपया प्रार्थना करें कि ये गीत मसीहियों के बीच नष्ट हो रही आत्माओं के प्रति बोझ प्रदान कर सकें।

राजस्थान दौरा : मैंने क्षेत्र के अगुवों के साथ 4 अप्रैल से 7 अप्रैल तक राजस्थान के मिशन क्षेत्रों और मिशनरियों का दौरा किया। दिन के समय मौसम झुलसा देने वाला है। हमारे मिशनरी उस तरह के मौसम की स्थितियों में प्रभु की सेवा कर रहे हैं। उन मिशनरियों के लिए प्रार्थना करें जो उस सूखी भूमि में प्रभु की सेवा करते हैं।

बुन्देलखण्ड यात्रा : 8 और 9 अप्रैल को हमने मध्य प्रदेश में बुन्देलखण्ड क्षेत्र के मिशन क्षेत्रों का दौरा किया। जीवन देने वाला सुसमाचार हमारे मिशनरियों द्वारा गाँवों में ले जाया जा रहा है। मिशनरियों की सुरक्षा और सेवकाई के लिए प्रार्थना करें।

चेन्नई के अगुवों से मुलाकात : 11 अप्रैल को मैंने मोबिलाइजेशन सचिवों के साथ चेन्नई

में कुछ प्रार्थना समूह के अगुवों और प्रायोजकों से मुलाकात की।

विभिन्न विभागों के साथ बैठक : हमने अपने सेवकाई की समीक्षा करने और वर्तमान संदर्भ में आगे की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए स्कैन, महिला और युवा विभाग के सचिवों के साथ बैठकें कीं। हमने इस बैठकों में सेवकाई संरचना को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर अगुवों का पोषण करने पर चर्चा की। आपकी प्रार्थनाओं और समर्थन ने इन सेवकाईयों की सराहना की है।

मई 2024 के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के लिए प्रार्थना करें

खानदेश और खंडवा क्षेत्र का दौरा : मई के पहले सप्ताह में खानदेश और खंडवा क्षेत्र के मिशन क्षेत्रों का दौरा किया जाएगा। कृपया भीषण गर्मी में मेरी यात्रा के लिए प्रार्थना करें।

प्रबंधन समिति की बैठक : 11 मई को चेन्नई में आयोजित होने वाली प्रबंधन समिति की बैठक के लि प्रार्थना करें।

तमिलनाडु राज्य सम्मेलन 2024 : तमिलनाडु राज्य सम्मेलन 16 मई से 19 मई तक बेथेल, सेलम में आयोजित की जाएगी। मुझे यकीन है आप में से बहुत से लोग प्रार्थना योद्वाओं के साथ मिलकर इस सम्मेलन की तैयारी, व्यवस्था और परमेश्वर से जुड़े रहने और राष्ट्र के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। कार्यक्रम स्थल प्रातःकालीन, शाम और संध्या की आराधना, संध्या मैदान में सभाएँ, प्रार्थना दिवस पर राष्ट्र के लिए मध्यस्थता करना, मिशन क्षेत्र के विश्वासियों की सभी प्रस्तुतियाँ और विशाल कार्यक्रमों के अनुभव का इंतजार कर रहा है। कृपया प्रार्थना के साथ इस सम्मेलन में भाग लें कि हमारी भूमि पर परमेश्वर के द्वारा अंतिम बारिश हो उंडेला जा सके।

उत्तरी अंचलीय सभा कोलकाता : उत्तरी अंचलीय आध्यात्मिक जीवन सम्मेलन 20 तारीख की शाम से कोलकाता में होगी। कृपया मिशनरी परिवारों और वक्ताओं की यात्रा के लिए प्रार्थना करें किकार्यक्रम पर परमेश्वर की अशीष हो।

मुख्यालय स्टाफ रिट्रीट : मुख्यालय स्टाफ रिट्रीट 30 मई से येलागिरी में आयोजित करने की जा रही है। यह वर्ष में एक बार नियमित सेवकाई से छूटकर परमेश्वर की उपस्थिति में एक साथ समय बिताने का अवसर है।

मिशनरियों के बच्चे : हमारे मिशनरी बच्चे जो स्कूलों और कॉलेजों में पढ़ रहे हैं, वे इस महीने में मिशन क्षेत्रों में माता–पिता के साथ रहेंगे। प्रार्थना करें कि वे अपने माता–पिता के साथ जो समय बिताएँ वह एक आशीषित समय हो। हमारे मिशनरी बच्चों की शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए प्रवेश के लिए भी प्रार्थना करें।

लोकतंत्र का उत्सव : भारत नई सरकार का चुनाव के लिए मतदान कर रहा है। मुझे विश्वास है कि आप सभी चुनाव के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। नई सरकार बनने तक राष्ट्र के लिए मध्यस्थता करते हुए अपनी प्रार्थना को लगातार मजबूत करें।

सेवकाई के लिए आपकी प्रार्थनाओं और हर संभव तरीके से समर्थन देने हेतु आप सभी को धन्यवाद देना चाहता हूँ। कृपया सभी मिशनरियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अधिक संख्या में वंचित लोगों तक पहुँच सकें। मेरा मानना है कि आपका हार्दिक समर्थन हमें इस लक्ष्य को हासिल करने के और करीब ले जाएगा।

परमेयवर की सेवा में आपका साथी सेवक

रेव्ह. जॉन बर्लिन एस.

सर्वव्यापी परमेश्वर के लिए मंदिर

राजा सुलेमान ने यरूशलेम में सर्वशक्तिमान परमेश्वर के लिए एक भव्य मंदिर का निर्माण करवाया। जब उसने समर्पण की प्रार्थना किया तो उसने ईश्वर की महानता को स्वीकार किया और स्वयं से पूछा कि यह ईश्वर, जो स्वर्ग में भी नहीं समा सकता, वह उस मंदिर में कैसे रह सकता है जिसे उसने बनवाया था (1राजा 8:27)। हालाँकि मन्दिर की शोभा अत्यन्त अद्भुत थी। राजा सुलैमान ने अपने द्वारा बनाए गए मंदिर और परमेश्वर की तुलना की। यद्यपि सीमित मानव मन अनंत परमेश्वर को पूरी तरह से समझ नहीं सकता है, जैसा कि हम अध्ययन करते हैं, परमेश्वर हमें अपनी महानता की झलक को समझने और वह उनकी आराधना करने के लिए एक स्थान की अपेक्षा क्यों करता है उसे समझने में हमारी मदद करे।

परमेश्वर सर्वव्यापी है

सर्वव्यापकता का अर्थ है कि ईश्वर हर जगह मौजूद है, अपनी सारी रचना में हर समय पूरी तरह से मौजूद है और सभी स्थानों को भरता है। इसका अर्थ है कि ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ वह निवास न करता हो – यशायाह 57:15, भजन 139:1–13। बुराई और भलाई पर नजर रखना – नीतिवचन 15:3, उत्कृष्ट – भजन 123:1, सारी पृथ्वी पर परमप्रधान – भजन 97:9, प्रभु सिंहासन पर विराजमान, ऊँचे और महान है – यशायाह 6:1, ऊँचे और पवित्र स्थान में निवास करता है – यशायाह 57:15, स्वर्ग और पृथ्वी के हर क्षेत्र में मौजूद है – यिर्मयाह 23:23–24, यहाँ तक कि वह सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में मौजूद है – भजन 139:7–10, वह ऊँचे से ऊँचे और बहुत निचले स्थानों पर रहता है – यशायाह 57:15, स्वर्ग के ऊपर सिंहासन पर विराजमान है और आकाश और पृथ्वी पर दृष्टि रखता है – भजन 113:4–6, उसके लिए कुछ भी छिपा नहीं है – इब्रानियों 4:13.

ईश्वर सर्वज्ञ है

परमेश्वर सब कुछ जानता है, सभी समय के सभी क्षणों के बारे में, अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में जानता है। ऐसा कुछ भी नहीं जो ईश्वर को ज्ञात न हो। उसे किसी से या कहीं से कुछ भी सीखने की आवश्यकता नहीं है – यशायाह 40:13, भजन 33:13–15, 147:4। वह हर चीज को पहले से, शाश्वत रूप से, पूरी तरह से और व्यापक रूप से जानता था। वह अतीत, वर्तमान और भविष्य की सभी चीजों को समझता है।

परमेश्वर को त्रिएकता में पूर्ण आत्म–ज्ञान है। मत्ती 11:26, यूहन्ना 10:15, 1कुरिन्थियों 2:11। उनकी समझ में कोई अंतर नहीं है। उसे हर चीज का ठीक–ठीक ज्ञान है – अय्यूब 37:16, उससे कुछ भी छिपा नहीं है – 1यूहन्ना 1:5, वह देखता है जिसे मनुष्य नहीं देख सकता। भजन 147:5, अय्यूब 36:4–5, उसके पास शाश्वत ज्ञान है – यशायाह 46:9–10, प्रेरित 15:18, वह गहरा ज्ञान रखता है – रोमियों 11:33–35, हर किसी पर नजर रखता है और उनके हृदय और विचारों को समझता है – नीतिवचन 5:21, 15:3, 1इतिहास 28:9।

परमेश्वर सर्वशक्तिमान है

परमेश्वर सर्वशक्तिमान है, उसके पास सर्वोच्च

शक्ति है, उसकी कोई सीमा नहीं है और वह सारी शक्ति का स्रोत है। यद्यपि वह अपनी सारी सृष्टि के लिए सीमाएँ निर्धारित करता है, वह शक्ति, बुद्धि, प्रेम, पवित्रता और अपनी संप्रभु इच्छा को पूरा करने की क्षमता में असीमित है। उसकी शक्ति अथाह है परन्तु हमें उसकी शक्ति की झलक उसकी रचना के माध्यम से मिलती है – यशायाह 40:15, इब्रानियों 1:3। उसके लिए सब कुछ संभव है – मत्ती 19:26, लूका 1:37, अय्यूब 42:2, उसके लिए कुछ भी कठिन नहीं है – यिर्मयाह 32:27, वह जो हम पूछते या सोचते हैं उससे कहीं अधिक करने में सक्षम है – इफिसियों 3:20। ईश्वर की शक्ति को मानवीय बुद्धि से नहीं समझा जा सकता – भजन 147:5, उसकी समझ अप्राप्य है – यशायाह 40:28, ब्रह्मांड के आरंभ से ही अस्तित्व में है और ब्रह्मांड के अंत तक रहेगा – प्रकाशितवाक्य 1:8,

सर्वव्यापी परमेश्वर को स्थान की आवश्यकता क्यों है? :

परमेश्वर ने सब कुछ मुख्य रूप से उसकी आराधना करने के लिए बनाया – कुलुस्सियों 1:16–17, वह अपनी महिमा किसी और वस्तुओं के साथ साझा नहीं करता – यशायाह 42:8, यहाँ तक कि स्वर्गदूतों से भी नहीं– यशायाह 14:12–15, यहेजकेल 28:16–17, यहूदा 1:6. जैसे ही मनुष्य ने विभिन्न चीजों की आराधना करना शुरू किया, परमेश्वर पृथ्वी पर अपनी दृश्यमान उपस्थिति चाहते थे ताकि लोग उनकी उपस्थिति का अनुभव कर सकें।

A. सर्वव्यापी ईश्वर मनुष्यों से केवल उसी की आराधना करने की अपेक्षा करता है :

ईश्वर अपने लोगों से तनए मन और हृदय से श्रद्धापूर्ण रवैये से सम्मान, श्रद्धा, और श्रद्धांजलि की अपेक्षा करता है। परमेश्वर हमसे अपेक्षा करता है कि हम उसे अपने सारे प्राण और सारी शक्ति से खोजें – व्यवस्थाविवरण 6:4–5। आरम्भ से ही स्वर्गदूतों को लगातार परमेश्वर की आराधना करने के लिए नियुक्त किया गया था। जब प्रधन स्वर्गदतू ने स्वयं को परमेश्वर के बराबर करने की कोशिश की, तो परमेश्वर ने उसे नीचे गिरा दिया – यहेजकेल 28:11–17 और यशायाह 14:12–15। क्योंकि केवल ईश्वर की ही आराधना की जानी चाहिए। भजन 29:1–2, 1इतिहास 16:29, यशायाह 42:8।

आराधना का मानवीय विवरण कैन और हाबिल से आरम्भ हुआ। उनके पास जो कुछ था, उसमें से उन्होंने सर्वोत्तम से आराधना की। नूह ने एक वेदी बनाई और जलप्रलय के बाद बलिदान देकर परमेश्वर की आराधना की। इब्राहीम ने प्रभु के लिए एक वेदी बनाकर आराधना की – उत्पत्ति 12:8; 13:18। परमेश्वर ने अपने लोगों को जंगल में उसकी आराधना करने के लिए बाहर लाने को कहा – निर्गमन 5:1–23। आज्ञा पाकर इस्राएली सप्ताह के सातवें दिन परमेश्वर की आराधना करने लगे।

जब इस्राएली प्रतिज्ञा की हुई भूमि में प्रवेश कर रहे थे, तब परमेश्वर ने अपने लोगों के बीच में से कनानियों को हदेर करने के लिए कहा जो दुष्ट थे और बाल की पूजा करते थे, क्योंकि परमेश्वर को उम्मीद थी कि उसके सभी लोग केवल उसी की आराधना करेंगे – व्यवस्थाविवरण 9: 4,5 । इस प्रकार वे इस्राएल में एक समुदाय के रूप में परमेश्वर की आराधना कर रहे थे।

यीशु के शिष्य, जिनकी प्रभु यीशु मसीह से व्यक्तिगत मुलाकात हुई थी, सप्ताह के पहले दिन – पुनरुत्थान दिवस पर त्रिएक परमेश्वर की आराधना करने के लिए एक समुदाय के रूप में एकत्रित होने लगे। परमेश्वर की इच्छा है कि हर कोई उसकी आराधना करे और उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से उद्धार के मुफ्त उपहार का अनुभव करें।

एफ.एम.पी.बी. परमेश्वर की इच्छा को प्राप्त करने की दिशा में काम करती है और हम उन सभी को आमंत्रित करते हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से यीशु मसीह के माध्यम से अपने पापों की क्षमा का अनुभव

किया है ताकि वे उन लोगों के उद्धार के लिए प्रार्थना करने के निमित प्रार्थना समूहों में शामिल हो सकें ताकि जिन्होंने सुसमाचार नहीं सुना है वे यीशु मसीह के द्वारा व्यक्तिगत रूप से आशीषित जीवन जी सकें और वे भी इस सर्वव्यापी परमेश्वर की आराधना कर सकें।

B. सर्वव्यापी परमेश्वर अपने लोगों के मध्य अपनी भौतिक उपस्थिति चाहता है

यद्यपि सर्वव्यापी ईश्वर हर जगह मौजूद है, वह अपने लोगों के बीच अपनी दृश्यमान उपस्थिति चाहता है। परमेश्वर अपने लोगों के लिए उनकी आराधना करने के लिए एक अलग स्थान चाहता था ताकि वह स्वयं को प्रकट हो सके और अपने पास आने वाले सभी लोगों को अपनी दया और आशीष दे सकें। कलीसिया इस सर्वव्यापी परमेश्वर की दृश्यमान उपस्थिति है। आराधना स्थल की उत्पत्ति बलिदान के लिए वेदी बनाने से हुई। जलप्रलय के बाद नूह ने वेदी बनवाई – उत्पत्ति 8:20, फिर इब्राहीम – उत्पत्ति 12:7, 13:4, 22:9, फिर इसहाक द्वारा वेदी बनाई गई – उत्पत्ति 26:25, फिर याकूब द्वारा – उत्पत्ति 33:20, 35:1,3 और मूसा द्वारा –निर्गमन 17:15। मिस्र में गुलामी के समय इस्राएलियों के पास आराधना के लिए कोई विशिष्ट स्थान नहीं था। जब वे मिस्र से बाहर आए, तो उनकी जंगल यात्रा के दौरान, परमेश्वर ने मूसा से उसे नमूना देने के लिए एक तम्बू बनाने के लिए कहा – निर्गमन 25:9। पौलुस ने खुलासा किया कि तम्बू का नमूना पवित्रस्थान की छाया थी, जो स्वर्ग है – इब्रानी 8:5।

तम्बू वह स्थान था जहाँ परमेश्वर अपने लोगों से मिलते थे – निर्गमन 29:42, इसमें बलिदान जारी रहा। इसे गवाही का तम्बू भी कहा जाता था – निर्गमन 38:21, गिनती 1:50, वाचा का सन्दूक – निर्गमन 25:16,22; गिनती 9:15, साक्षी का तम्बू – गिनती 17:8, यहोवा का घर – व्यवस्थाविवरण 23:18 – यहोवा का भवन – यहोशू 6:24 और निवास स्थान – निर्गमन 25:8।

परमेश्वर के लिए स्थायी निवास का निर्माण करना राजा दाऊद की इच्छा थी परन्तु परमेश्वर ने उसे खून से सने हाथों से निर्माण करने की अनुमति नहीं दी। सुलैमान ने परमेश्वर के लिए एक भव्य मंदिर बनाया और समर्पित किया – 1राजा 8:13 क्योंकि उसे परमेश्वर द्वारा निर्देशित किया गया था, 1राजा 6 और 7:13–51; 2इतिहास 3 और 4। यह मंदिर यहूदी लोगों क लिए आराधना करने और सामाजिक जीवन के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान था।

586 ईसा पूर्व में जब सोलोमन का मंदिर नष्ट किया गया, तो लोग आराधना करने के लिए निजी घरों में इकट्ठा होने लगे, तब आराधनालय अस्तित्व में आए। जब 70 ईस्वी में रोमन सम्राट टाइटस द्वारा दूसरे मंदिर को नष्ट कर दिया गया, तो मंदिर के बलिदान और यहूदी पुरोहिती को समाप्त कर दिया गया।

आराधनालय का उपयोग यीशु और उनके शिष्यों द्वारा अक्सर किया जाता था – मत्ती 13:54, प्रेरित 13:5,15, 44; 14:1; 17:2–4, 19:8. आरंभिक मसीही भी आराधनालयों में जाते थे और साथ ही विश्वासियों के घरों में संगति के लिए एकत्रित होते रहे थे – प्रेरित 2:46। परन्तु बाद में जब यीशु के शिष्य बढ़ गए, तो अविश्वासी यहूदी विश्वासियों को आराधनालयों से बहिष्कृत करने के लिए उनके विरुद्ध खड़े हो गए – यूहन्ना 9:22; 12:42; 16:2. इस प्रकार मसीही आराधना के लिए आराधनालय का नमूना लेकर मसीही अलग से एकत्रित होने लगे। अब कलीसिया परमेश्वर की दृश्यमान उपस्थिति है। हमारे पास बहुत सारी गवाहियाँ हैं कि किस प्रकार परमेश्वर उन लोगों को उत्तर देते हैं और उन्हें आशीर्वाद देते हैं जो चकलीसिया में आते हैं और उनसे प्रार्थना करते हैं। हमारे पास इस बात की भी गवाही है कि परमेश्वर उन लोगों से कैसे निपटता है जो कलीसिया के विरोध में खड़े होते हैं।

यद्यपि कलीसिया एक बुलाया हुआ, अदृश्य, सार्वभौमिक और चिरस्थायी, समुदाय है कलीसिया के पास लोगों को परमेश्वर की दृश्यमान उपस्थिति प्रदर्शित करने के लिए एक दृश्य संरचना भी है। इसलिए, जब लोग हमारे सेवकाई के माध्यम से मसीह को जानते हैं, तो हम युवा विश्वासियों को एक आराधनालय बनाने में मदद करते हैं जहाँ विश्वासियों को परमेश्वर की उपस्थिति का अनुभव होता है।

C. सर्वव्यापी परमेश्वर चाहता है कि वह हमारे साथ रहे और हमें गवाह बनाए

सर्वव्यापी परमेश्वर जो हर जगह मौजूद है, उसे केवल कलीसिया तक सीमित नहीं किया जा सकता। यीशु ने अपने सेवकाई के दौरान सामरी स्त्री से कहा, "परमेश्वर आत्मा है और उसकी आराधना करने वाले आत्मा और सच्चाई से आराधना करें" यूहन्ना 4:23–24। परमेश्वर हमारे साथ और हममें रहना चाहता है। 1कुरिन्थियों 3:16 कहता है कि हम परमेश्वर के मन्दिर हैं। जब हम यीशु को अपने हृदय में ग्रहण करते हैं तब हम उसे न केवल अपने परमेश्वर के रूप में परन्तु अपने जीवन के स्वामी के रूप में भी स्वीकार करते हैं। इस प्रकार परमेश्वर हमारे जीवन का स्वामी या मालिक बन जाता है – 1कुरिन्थियों 6:19। पौलुस हमें बताता है कि सच्ची आराधना का आध्यात्मिक कार्य हमारे शरीर को जीवित, पवित्र और परमेश्वर को प्रसन्न करने वाले बलिदान के रूप में पेश करना है – रोमियों 12:1।

उसकी आराधना करने वाले लोगों से परमेश्वर अपेक्षा करता है कि वे उसे जानने और उसकी आराधना करने में दूसरों को भी मदद करें और इस जीवन परिवर्तनकारी सुसमाचार को अपने मित्रों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और अन्य सभी के साथ साझा करें। जो कोई इस परिवर्तन का अनुभव करता है वह दूसरों के साथ सुसमाचार साझा करने से रुक नहीं सकता – यूहन्ना 4:14। जब हम उसे ग्रहण करते हैं तब यह सर्वव्यापी परमेश्वर हमारे भीतर सीमित नहीं हो सकता है, वह उम्मीद करता है कि उद्धार का आनंद दूसरों के जीवन में बह निकले – 1कुरिन्थियों 9:16।

दाऊद को इस सर्वव्यापी परमेश्वर के लिए एक मंदिर बनाने की इच्छा थी। आज परमेश्वर के लिए मंदिर बनाना उनके लिए आत्माओं को जीतना है। क्योंकि पौलुस ने अपने पत्र में लिखा है कि "तुम पवित्र आत्मा का वह मंदिर हो। परमेश्वर हमें भारतीयों के दिलों में उनके लिए जगह बनाने के लिए आमंत्रित करता है। इसके लिए सर्वव्यापी परमेश्वर ने युग के अंत तक हमारे साथ रहने की प्रतिज्ञा की है। (मत्ती 28:20)। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह अनंत काल तक हमारे साथ रहेगा।

रेव्ह. फ्रैंकलिन एम. वाई. पादम
मिशनरी – मुख्यालय

वार्षिक शिविर 2024 के दौरान बच्चों के लिए स्मृति पद्य प्रतियोगिता

भजन संहिता : 119

नौसिखियाओं के लिए (प्री के.जी. से प्रथम वर्ग तक)
भजन 119 : 1–8
प्राथमिक (कक्षा द्वितीय से कक्षा चतुर्थ तक)
भजन 119 : 1–16
जूनियर (कक्षा 5 से कक्षा 7 तक)
भजन 119 : 1–32
कृपया अपनी उम्र के अनुसार तैयारी करें

आनन्दोत्सव दिवस

कार्निवल दिवस, 8 मार्च, 2024 को सुबह 8:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिसमें लोगों ने मालतो बच्चों के बीच मिशन के लिए उदारतापुर्वक दान दिया। दिन भर में, बड़ी संख्या में लोग पहुँचे, इस प्रकार कुल मिलाकर कार्यक्रम में लगभग 2,500 प्रतिभागी शामिल हुए। हम परमेश्वर और संगठन के अगुवों को और इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए झारखण्ड से आए सभी मिशनरियों को तथा प्रत्येंक व्यक्तियों को जिन्होंने मालतोो बच्चों के प्रति अपनी दयालुता और उदारता दिखाई हम हृदय से धन्श्वाद देते हैं।

सारी महिमा और स्तुति परमेश्वर को मिले!

–माननीय. सचिव, रेव्ह. सैम बेनी

FINANCE DEPARTMENT

FMPB Bank Account details for sending the offering through online transaction

A/c Name: **FRIENDS MISSIONARY PRAYER BAND**

ICICI - A/c No. 602701216912 - IFS Code ICIC0006027 - Branch: Anna Nagar

ICICI Bank UPI ID: fmpb01@icici

SBI - A/c No. 10402752621 - IFS Code SBIN0000987 - Branch: Ambattur

Indian Bank - A/c No. 406157474 - IFS Code IDIB000A599 - Branch: Venkatapuram

Kindly contact us: **finance@fmpb.org, WhatsApp: 7904648270**

BARCODE facilities to send your offertory

Kindly avail the BARCODE facility also to send your offertory to the ministries of FMPB.

शोक संदेश

श्रीमती पी. मैरी रत्ना बाई (श्रीमती सी.वी.के.)

श्रीमती मैरी रत्ना बाई जिसको प्यार से श्रीमती सी.वी.के. कहा जाता था का जन्म एक रोमन कैथोलिक परिवार में श्रीमान और श्रीमती पी. ध्यानानंदम के घर हुआ था। श्री सी. विजय कुमार के साथ विवाह के बाद, उन्होंने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार की। व्याख्याता के रूप में कार्यरत श्री सी. विजय कुमार ने मछलीपट्टनम में एफ.एम.पी.बी. की शुरुआत की। उन्होंने 1980 के बाद से 21 वर्षों तक अवैतनिक प्रोमोशनल सचिव के रूप में कार्य करते हुए इसके विकास के लिए अथक प्रयास किया। 2001 में अपने पति की मृत्यु के बाद, उन्होंने प्रार्थनापूर्वक प्रभु के मिशन के लिए अग्रणी प्रयास करते हुए एफ.एम.पी.बी. सेवकाई में अपनी यात्रा आरम्भ की। समवर्ती रूप से, उन्होंने सरकारी क्षेत्र में एक समाज कल्याण अधिकारी के रूप में कार्य किया। तब से वह व्यक्तिगत रूप से हर घर में जाती थीं, उनके लिए प्रार्थना करती थीं और हर महीने सहयोग राशि एकत्र करती थीं। उन्होंने एफ.एम.पी.बी. प्रार्थना सभाओं का आयोजन किया, परमेश्वर के वचन का प्रचार किया और हर महीने उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित कीं। प्रति वर्ष, वह एफ.एम.पी.बी. फैमिली रिट्रीट का आयोजन करने के लिए स्थानीय एफ.एम.पी.बी. के अगुवों के साथ मिलकर काम करती थीं। उनके विनम्र और प्रार्थनापूर्ण नेतृत्व में, लगातार नए सदस्य जुड़ते गए और नए मिशनरी समर्पण लगातार बढ़ते गए। वह प्रत्येक सदस्य के घरों में जाकर परमेश्वर के प्रेम के बारे में लोगों को बताती थीं और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करती थीं। उन्होंने गुड़ीवाड़ा में एफ.एम.पी.बी. सेवकाई शुरू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाईं। स्थानीय एफ.एम.पी.बी. दल के अगुवों के साथ, वह कैरोल गाने के लिए प्रत्येक एफ.एम.पी.बी. सदस्य के घर जाती थीं और मिशनरियों के लिए क्रिसमस उपहार इकट्ठा करती थीं। एफ.एम.पी.बी. द्वारा प्रदान किए गए रास्ते के माध्यम से मानद प्रचारक सचिव की भूमिका निभाते हुए, उन्होंने लॉर्ड्स वाइनयार्ड में अपने अंतिम क्षणों तक लगातार परिश्रम कीं। उन्होंने स्वयं को प्रभु को अर्पित कर दिया और अपने पीछे आने वाली पीढ़ियों के लिए जश्न मनाने और संजोए रखने के निमित एक सुगंधित विरासत छोड़ गईं।

पथ प्रदर्शक

जॉन डडले वुडबेरी

एक उद्देश्य हेतु बचाया गया : चीन में दूसरी पीढ़ी के मिशनरियों में जन्मे, जॉन डडले वुडबेरी के दादा–दादी ने कोरियाई युद्ध के दौरान चीनी POWs (युद्धबंदियों) के लिए एक पादरी के रूप में सेवा करने के लिए अपनी मातृभूमि छोड़ दी। पहली बार मसीही बनने के बाद जब वह तीन वर्ष का था एक ''बच्चे की तरह'', डुडले का कहना है कि यंताई बंदरगाह का ठंडा पानी ने 1939 की सर्दियों में उनके विश्वास को उत्प्रेरित किया। पाँच वर्षीय डडली बर्फ में गिर गया, जिससे उसे निमोनिया हो गया। बमुश्किल बीमारी से बचे रहने के बाद, डुडले को यकीन हो गया कि दैवीय हस्तक्षेप ने उसकी जान बचाई है। वे कहते हैं, पाँच साल की उम्र में भी, "मुझे एहसास था," "कि मुझे एक उद्देश्य के लिए बचाया गया था।"

परमेश्वर की कृपा उनके जीवन में बहती रही और दो साल बाद, जब जापानियों ने पर्ल बन्दरगाह पर बमबारी की और संयुक्त राज्य अमेरिका पर युद्ध की घोषणा की, तो डुडले और उनके परिवार को चीन में जापानी सेना द्वारा युद्ध बंदी बना लिया गया। माता–पिता और बच्चे अलग हो गए; डुडले और उसके भाई–बहन अपने माता–पिता से अलग देश के एक अलग हिस्से में युद्धबंदी बन गए। महीनों बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के बीच नागरिक कैदियों की अदला–बदली पर बातचीत हुई। एक बार जहाजों के माध्यम से अपने माता–पिता से मिले और अंततः अपनी यात्रा में कई खतरों का सामना करते हुए न्यूयॉर्क के तट पर पहुँचे।

जाना सीखना

डुडले को 13 साल की उम्र में ''कुछ'' की खोज हुई, जब उन्होंने अग्रणी मिशनरी सैमुअल ज़्वेमर को यह कहते हुए सुना, ''यदि आप दुनिया में सबसे कठिन लेकिन सबसे पुरस्कृत काम चाहते हैं, तो मुसलमानों के बीच में सेवा करें।'' 1955 में डुडले ने फुलर में बैचलर ऑफ डिवीनिटी कार्यक्रम में दाखिला लिया, जिससे प्रत्येक स्कूल के दो छात्रों को एक मिशन क्षेत्र की यात्रा करने और स्वदेशी संस्कृतियों में अध्ययन पूरा करने का अवसर मिला। डुडले को बेरूत के अमेरिकी विश्वविद्यालय में अध्ययन के लिए चुना गया था।

उन्होंने अपनी पत्नी और सेवकाई साथी रोबर्टा से लेबनान में मुलाकात की, जहाँ वह बेरूत कॉलेज फॉर वुमेन में पढ़ रही थी। पश्चिमी लोग अक्सर मुसलमानों को एक अपरिष्कृत लोगों के रूप में देखते थे, और उनकी अत्यधिक विविधता को पूरी तरह से नजरअंदाज कर देते थे कला, परंपरा और धार्मिक चिंतन से समृद्ध संस्कृतियाँ विकसित हुईं। डुडले में अभी भी एक मिशनरी का हृदय था, परन्तु लेबनान में बिताए समय ने उन्हें आश्वस्त किया कि कठोर बौद्धिक तैयारी से अधिक प्रभावी गवाही मिल सकेगी।

पुल का निर्माण करना : जब उन्होंने फुलर से स्नातक की उपाधि प्राप्त की, तो हार्वर्ड ने उन्हें इस्लाम के प्रमुख पश्चिमी विद्वान सर हैमिल्टन गिब के अधीन अध्ययन करने के लिए स्वीकार कर लिया। डुडले ने अपनी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन किया, हसन अल– बन्ना के धर्मशास्त्र पर अपना शोध प्रबंध लिखा, मिशनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को कभी–कभी नापसंद किया

जाता था क्योंकि उनसे अरब संस्कृति की सराहना करने की अपेक्षा की जाती थी, न कि इसे परिवर्तित करने की। डुडले ने इस्लामी राष्ट्रों की मूल संस्कृति से प्यार करना और उसकी सराहना करना सीखा, जबकि वे अभी भी उन तक ईसा मसीह के उद्धारक प्रेम और प्रकाश को लाने के लिए तरस रहे थे।

वर्षों के प्रशिक्षण और विवेक के बाद अपने दो बच्चों के साथ, डुडले और रोबर्टा प्रेस्बिटेरियन चर्च द्वारा वित्त पोषित पाकिस्तान में पूर्णकालिक मिशनरी बन गए। डुडले ने रावलपिंडी में मसीही अध्ययन केंद्र में काम किया और मसीही धर्म और इस्लाम के बीच पुल बनाने में काफी प्रगति की, जिससे आपसी सम्मान विकसित हुआ, बल्कि मुसलमानों को मसीही धर्म में भी लाया गया।

विद्वान, पादरी, वकील

डुडले के शैक्षिक प्रयास भी अप्रत्याशित रूप से उनकी अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित हुए। अफगानिस्तान में उनके पहले दौरे के दौरान, लूका के सुसमाचार की प्रतियाँ वितरित करने के आरोप में दो मिशनरियों को गिरफ्तार किया गया था। हालाँकि वह कभी भी अदालत में पेश नहीं हुए, डुडले ने एक बचाव वकील को काम पर रखा और कुरान की आयतों के आधार पर खुद बचाव का विकास किया, जिसने ईसाइयों और मुसलमानों को शांतिपूर्वक सह–अस्तित्व की अनुमति दी। तब मिशनरियों को रिहा कर दिया गया।

इसी तरह की स्थिति सऊदी अरब में भी सामने आई, जहाँ सातवीं शताब्दी की इस्लामी विजय के तुरंत बाद डुडले को अरब के अंदरूनी इलाकों में पहले स्वीकृत निवासी पादरी के रूप में सेवा करने के लिए बुलाया गया था। रियाद की राजधानी और अन्य जगहों पर कलीसिया आश्चर्यजनक दर से इस हद तक बढ़ गई कि सरकार असहज हो गई। तनाव को कम करने में मदद करने के लिए, डुडले ने उन्हें मुहम्मद के नाम से लिखे गए पत्र दिखाए जो ईसाइयों को अपने चर्चों में आराधना करने का अधिकार देते थे जब तक कि वे वफादार थे और कुछ वित्तीय और अन्य दायित्वों को पूरा करते थे। ईसाइयों को तब निम्न –प्रोफाइल आराधना जारी रखने की अनुमति दी गई थी। जब रोबर्टा के स्वास्थ्य और उनके बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं के कारण डुडले और उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका लौट आए – पाकिस्तान, अफगानिस्तान और सऊदी अरब में 11 वर्षों तक सेवकाई के बाद – राजा खालिद ने उनके काम के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

हालाँकि उन्होंने 1992 से 1999 तक स्कूल ऑफ वर्ल्ड मिशन (एसडब्ल्यूएम) के डीन के रूप में प्रमुख पहलों की देखरेख की, परन्तु डुडले का प्रभाव शायद मुसलमानों और उनके संदर्भों के अध्ययन में सबसे बड़ा था। उन्होंने आगे दक्षिण एशिया और पश्चिम और पूर्वी अफ्रीका में अनुसंधान का निरीक्षण किया, जिसमें दिखाया गया कि मुसलमान न केवल एक ''आकर्षक नमूने'' के रूप में – चर्च या ईसाइयों के प्रति आकर्षित होने के लिए – बल्कि एक ''परिवर्तनकारी नमूने'' के रूप में ईसा मसीह में विश्वास कर रहे थेः साथी मुसलमानों के विश्वसनीय समूहों में कुरान में वर्णित लोगों की बाइबिल कहानियाँ अध्ययन करनां, और इस प्रकार धीरे–धीरे उद्धारकर्ता के रूप में मसीह में विश्वास में आते थे।

डडले के एस.डब्ल्यू.एम. के डीनशिप से सेवानिवृत्त होने के बाद, रोबर्टा ने पाकिस्तान के एक स्कूल में शैक्षणिक वर्ष के दौरान अपने पोते और अन्य प्रवासी बच्चों को पढ़ाने का अनुरोध स्वीकार कर लिया। इस दौरान फुलर संयुक्त राज्य अमेरिका और विदेशों दोनों में मुसलमानों के साथ शांति स्थापना में शामिल हो गए। चूँकि डुडले कहानी बताने में तेज थे और श्रेय लेने में धीमा, यह बताता है कि उसने मिशन, शिक्षा और कूटनीति में आंदोलनों को प्रभावित किया है जो इस चर्चा को प्रभावित करते हैं कि ईसाई और पश्चिम मुसलमानों के साथ कैसे बातचीत करते हैं।

अभी भी यात्रा पर हूँ

डुडले के अविश्वसनीय जीवन की कहानी उनके काम की असाधारण गहराई से ही आगे बढ़ती है। यह सुझाव दिया गया है कि वह संस्मरण लिखेः तीन देशों में तीन गिरफ्तारियाँ, न्यूयॉर्क से इक्वाडोर और ईरान, पाकिस्तान और भारत के माध्यम से पैदल यात्रा, पनामा से संयुक्त राज्य अमेरिका तक जाने के लिए डेकहैंड के रूप में काम करना, बातचीत करना ओर से, गृह युद्धों और क्रांतियों के माध्यम से बुनाईः यह सब निश्चित रूप से किसी प्रकार के साहित्यिक स्मरणोत्सव की आवश्यकता है।

डुडले अपना सिर हिलाते हुए कहते हैं, ''ओह, नहीं'' "मुझे नहीं लगता कि मेरे पास समय होगा। मेरे पास करने के लिए बहुत सारा काम है।"

राजौंद

कलीसिया का इतिहास

पेहोवा मिशन क्षेत्र, हरियाणा क्षेत्र, उत्तरी अंचल

द्वारा लिखित :
श्रीमती डी. एग्नेस एडवर्ड

सामान्य जानकारी

राजौंद हरियाणा के कैथल जिले की कैथल तहसील में स्थित एक बड़ा गाँव है। भारत के संविधान और पंचायती राज अधिनियम के अनुसार, राजौंद गाँव का प्रशासन सरपंच (गाँव के मुखिया) द्वारा चलाया जाता है जो गाँव का निर्वाचित प्रतिनिधि होता है। रजौंद गाँव में अनुसूचित जाति (एससी) की कुल आबादी का 23. 99 प्रतिशत है। राजौंद गाँव में वर्तमान में कोई अनुसूचित जनजाति (एसटी) आबादी नहीं है। वे कृषक (मालिक या सह–मालिक) हैं जबकि कुछ कृषि मजदूर के रूप में काम करते हैं।

आरम्भ

जनवरी 2007 में पेहोवा मिशन क्षेत्र श्री शरत चंद्र दिग्गल और श्रीमती लवली द्वारा खोला गया था। इसी मिशन क्षेत्र के उपकेन्द्र के रूप में राजौंद उप– केंद्र जून 2012 में खोला गया था। उस समय स्थानीय प्रचारक श्री अशोक सैमुअल राजौंद में कार्यरत थे। कुछ ऐसे विश्वासी थे जिन्होंने स्वतंत्र पादरियों के माध्यम से ईसा मसीह को स्वीकार किया था परन्तु दूर होने के कारण वे नियमित रूप से आराधना में भाग लेने में असमर्थ थे। इसलिए जब स्थानीय प्रचारक श्री अशोक द्वारा अपने किराए के घर पर रविवार की आराधना शुरू की गई, तो स्थानीय विश्वासी इस स्थान पर आराधना में शामिल होने लगे क्योंकि यह उनके घरों के करीब था।

कुछ गवाहियाँ:

"मैं राजौंद गाँव से बीरा हूँ। ईसा मसीह को जानने से पहले मैं सिरसा के बाबा (राम रहीम) का अनुयायी था। मेरी पुत्रवधू को दुष्टात्मा सताया करता था। इसलिए हम उसे कैथल में एक पादरी के पास ले गए। पादरी ने हमें रामपुरा के एक चर्च में ले गया। बाद में हमने सत्संग में भाग लिया। इसके बाद हमने मसीह को स्वीकार किया और बपतिस्मा लिया। मैंने प्रभु से प्रार्थना की कि वह हमें एक पादरी दें जो हमें प्रभु यीशु के मार्गों पर चलना सिखाए। एफ. एम.पी.बी. के स्थानीय प्रचारक, श्री अशोक से मेरा संपर्क हुआ और वह हमारे घर आये और मैं उनके किराये के मकान में होने वाली आराधना में शामिल होने लगा।"

श्रीमती कोमल : "मैं बाथा गाँव से कोमल हूँ। मेरी शादी के बाद, मैं शैतान के बंधन में थी। मेरे कूल्हे में इतना तेज दर्द था कि मैं चलने, खड़े होने या यहाँ तक कि अपने शरीर को हिलाने में भी सक्षम नहीं थी। मैं हमेशा बिस्तर पर पड़ी रहती थी और अपने घर का कोई भी काम नहीं कर पाती थी। मैंने तांत्रिकों से संपर्क किया परन्तु कोई फायदा नहीं हुआ। मुझे लुधियाना ले जाया गया। वहाँ पर पादरी ने मेरे लिए प्रार्थना की और मुझे पढ़ने के लिए बाइबल दी। उन्होंने हमें राजौंद में पादरी श्री सुरेश से मिलवाया। 2018 में मुझे गाड़ी से राजौंद आराधना में लाया गया। मुझे चर्च के अंदर लोगों द्वारा ले जाना पड़ा। पहले दिन ही परमेश्वर ने प्रार्थनाओं के माध्यम से मुझे चंगा ठीक कर दिया। उसके बाद मैं स्वयं चलकर घर गया। मैं प्रभु में विश्वास करती थी और मैंने और मेरे पति ने मार्च 2019 में बपतिस्मा लिया। परमेश्वर ने मुझे मेरे सभी काम करने में मदद की है और मुझे एक दुकान चलाने में भी सक्षम बनाया है। परमेश्वर की स्तुति हो।''

श्रीमती राम राति : "मैं राजौंद की रहने वाली राम राति हूँ। मेरे हाथ–पैर में दर्द हो रहा था। मैं राजौंद के एक घर में घरेलू काम करता था। मेरी मालकिन एक विश्वासिनी थी। उसने मुझे एक नया नियम और एक सुसमाचार पुस्तिका दी। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं इसे अपने बच्चों से पढ़वाऊँ। उसने मुझे यीशु मसीह बारे में एक उपचारक के रूप में भी बताया। मेरे सबसे बड़े बेटे और बहू, प्रियंका ने भी जो विश्वासी थे, ने पादरी कार्तिकेयन के माध्यम से मेरे लिए प्रार्थना की। वे कैथल में रह रहे थे और कैथल में आराधना में भाग ले रहे थे। पादरी कार्तिकेयन के माध्यम से, हमें पादरी सुरेश (राजौंद के स्थानीय प्रचारक) से संपर्क मिला। पादरी सुरेश और परिवार हमारे घर आए और उन्होंने मेरे लिए प्रार्थना की। मैंने प्रभु पर आशा रखना शुरू कर दिया और ईश्वर ने प्रार्थनाओं के माध्यम से मुझे धीरे–धीरे चंगाई दी। मेरे पति अमरजीत भी काले पीलिया से प्रभावित थे और परमेश्वर ने प्रार्थनाओं से उन्हें ठीक कर दिया। साथ ही परमेश्वर ने हमारे बेटे की शादी में सभी अराजक स्थितियों को बदल दिया और हमें उसकी शादी खुशी से करने में सक्षम बनाया। 2020 से हम आराधना में भाग ले रहे हैं।"

कलीसिया का विकास

राजौंद चर्च ने कई ईसाइयों को, जो बिखरे हुए और अनियमित थे, एक सामान्य आराधना स्थल पर लाया। स्थानीय प्रचारक श्री अशोक सैमुअल के जाने के बाद, श्री सुरेश और परिवार को राजौंद में रखा गया। उनके सेवकाई के माध्यम से कई नए लोगों ने भी ईसा मसीह को स्वीकार किया और चर्च में शामिल हुए। कुछ साक्ष्य नीचे दिये गये हैं।

आराधना विवरण

रविवार की आराधना अगस्त 2012 में राजौंद में स्थानीय प्रचारक श्री अशोक सैमुअल के किराए के घर में शुरू की गई थी। विरोध के कारण, चर्च बनने तक आराधना को विश्वासियों के घरों में स्थानांतरित कर दिया गया। राजौंद चर्च की जमीन दिसंबर 2014 में खरीदी गई और पंजीकृत की गई थी। राजौंद मण्डली के सदस्य निम्नलिखित गाँवों से हैं: बाता, गोहान , असंध, खरका, इंद्रा कॉलोनी और राजौंद। ये सभी बाल्मीकि, चमार और कश्यप समुदाय से हैं।

कलीसिया भवन का निर्माण

राजौंद गिरजा घर की नींव जनवरी 2016 में रखी गई थी। 40X18 फीट का एक पक्का चर्च बनाया गया है। ईसाई विरोधी तत्वों के विरोध

के बावजूद राजौंद में चर्च परिसर की दीवार का काम पूरा हो गया। अंबाला शहर के मसीही अगुवे मीडियाकर्मियों के साथ 16 जनवरी को स्थानीय पुलिस स्टेशन आए और मिशनरियों और विश्वासियों की ओर से बात की। जुलाई 2016 में चर्च का निर्माण कार्य दोबारा शुरू हुआ। फिर पड़ोस के लोगों ने चर्च निर्माण का विरोध किया। वे निर्माण स्थल से कुछ निर्माण सामग्री ले गए। राजौंद चर्च निर्माण को ईसाई विरोधी तत्वों ने रोका और एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज करायी। मिशनरी श्री कार्तिकेयन, श्री. सारथ और श्री अलियाकिम जेना ने एसपी से बातचीत की। अंततः राजौंद चर्च का निर्माण जनवरी 2017 में फिर से आरम्भ हुआ। चूंकि भूमि निचले इलाके में थी, इसलिए प्रत्येक विश्वासियों के परिवारों ने जमीनी स्तर को ऊपर उठाने के लिए रेत की एक एक ट्रॉली का योगदान दिया। पेंटिंग का काम पूरी तरह से विश्वासियों के योगदान के द्वारा किया गया था। किसी ने निर्माण सामग्री खरीदी तो किसी ने मजदूरी के काम में मदद की। चर्च निर्माण के दौरान श्री बीरा ने बहुत मदद की। ईश्वर की कृपा से, राजौंद चर्च को क्राइस्ट चर्च कोयंबटूर के पादरी द्वारा 29.1.2017 को परमेश्वर की महिमा के लिए समर्पित किया गया। विरोध के कारण दो महीने तक बंद रही रविवारीय सेवा भी समर्पण के बाद फिर से आरम्भ हो गई।

राजौंद मंडली में आश्चर्यकर्म एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

श्री बीरा को बुरी आत्मा से मुक्ति मिली। राजौंद के सुश्री मुकेश को गले की कैंसर से चंगाई मिली। राजौंद चर्च निर्माण का विरोध करने वाले श्री मोहन को अपने तरीकों पर पश्चाताप हुआ। स्थानीय धर्म प्रचारक को धमकी देने वाले श्री राम पाल को अपनी गलती पर पछतावा हुआ।

चर्च की गतिविधियाँ और जानकारियाँ

श्री सुरेश और उसनके परिवार वर्तमान स्थानीय प्रचारक हैं जबकि श्री सोमपाल और श्रीमती रीना कलीसिया के प्राचीन हैं। प्रत्येक रविवार को 25 से 30 लोग आराधना में शामिल होते हैं। राजौंद कलीसिया की कुल संख्या 51 है। हर महीने के दूसरे या तीसरे सप्ताह में चर्च में या विश्वासियों के घरों में महिलाओं की बैठक आयोजित की जाती है। स्थानीय प्रचारक की पत्नी, श्रीमती. विमला, श्रीमती रीना और श्रीमती कृष्णा कलीसिया के अगुवे हैं। मंगलवार को राजौंद में विश्वासिनी श्रीमती आशा के घर पर बच्चों की क्लास होती है और शनिवार को राजौंद के विश्वासी श्री नरेश और श्रीमती रीना के घर पर बच्चों की एक और कक्षा संचालित की जाती है। स्थानीय प्रचारक की पत्नी बच्चों की कक्षाएँ संचालन करती हैं। प्रत्येक कक्षा में पच्चीस से चालीस बच्चे भाग लेते हैं। आईए हम अपनी प्रार्थनाओं में इस मण्डली का समर्थन करें।

आँखों की रोशनी वापस मिली!

करौंदी गाँव के हमारे विश्वासी बॉक्सिंग दोपहिया वाहन पर सवार थे, तभी उनकी आँखों में कुछ गिर गया। इसके बाद जब वह अपनी आँखों में सूजन के कारण अस्पताल गए तो डॉक्टरों ने उनकी आँखों से मक्खियां निकालीं। अब उनकी आंखें ठीक हो गई हैं। हम ईश्वर को उनकी कृपा के लिए धन्यवाद देते हैं।

मिशनरी जीवनी

पाकियानाथराज
(1941-1990)

श्री पाकियानाथराज का जन्म 15 दिसंबर, 1941 को तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में एक ईसाई माता–पिता के यहाँ हुआ था। परिवार में उनके माता–पिता श्री जॉर्ज और कनागाम्मल, उनकी बहनें ग्लोरिया सिरोनमनी और जॉय सेलिन सरोजा और उनके भाई थंगराज डेविड और सेल्वराज हैं।

आरम्भिक काल

पाकियानाथराज के माता–पिता ने उन्हें ईसाई मूल्यों और शिक्षाओं के अनुसार उनका पालन–पोषन किया था। उन्होंने उसे नियमित रूप से स्थानीय चर्च में जाने और प्रतिदिन बाइबल पढ़ने और उस पर मनन करने के लिए भी प्रेरित किया। स्थानीय स्कूल में अपना स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने एक पॉलिटेक्निक कॉलेज में दाखिला लिया और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण प्राप्त किया। वह संडे स्कूल में नियमित रूप से जाता था जहाँ उसने बाइबल और उसकी बहुमूल्य शिक्षाएँ सीखीं। एक चर्च सम्मेलन के दौरान, उन्होंने यीशु मसीह को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया।

वैवाहिक जीवन :

अपनी पढ़ाई सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद, वह नौकरी की तलाश में ऊटी चले गए और जल्द ही उन्हें हिंदुस्तान फोटो फिल्म कंपनी में नौकरी मिल गई। परमेश्वर के संतान के रूप में, वह अपने कर्तव्यों के प्रति इतने ईमानदार थे कि उनके वरिष्ठ ने उनके वफादार काम पर ध्यान दिया और उन्हें पदोन्नत किया। माता–पिता ने उन्हें शादी करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके लिए एक सही जीवन साथी तय किया। सुश्री जॉयस ऊटी के सरकारी अस्पताल में कार्यरत एक चिकित्सकीय रूप से प्रशिक्षित कंपाउंडर थीं। श्री पाकियानाथराज ने 12 मई 1971 को सुश्री जॉयस से विवाह की। परमेश्वर ने उनके विवाहित जीवन को गोल्डन जेबा जॉर्ज

और गोल्डन विक्टर जॉर्ज नामक दो बेटों के साथ आशीर्वाद दिया।

सेवकाई के लिए बुलाहट :

ईसा मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करने के बाद श्री पैकियानाथराज के जीवन में एक महान परिवर्तन आया। उन्हें सेवा करने का जुनून था, खासकर आत्माओं को अंधेरे से बचाने का। जब भी उन्हें अवसर मिलता, वे अपने दोस्तों और चर्च के साथ धर्म सेवा में शामिल हो जाते। इसी दौरान उन्हें उत्तर भारत में फ्रेंड्स मिशनरी प्रेयर बैंड की सेवकाई के बारे में पता चला। फिर, वह प्रार्थना समूहों में शामिल हो गए और मिशनरियों के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करने लगे। उन्होंने एफ.एमकृपीबी. द्वारा आयोजित सभी मिशन सम्मेलनों में भाग लेना आरम्भ कर दिया और उत्तर भारत के मिशनरियों की बातों को विश्वास के साथ सुना। उनका हृदय पूरी तरह से मिशनरी कार्य के प्रति समर्पित था। एक दिन जब वह बाइबल पढ़ रहा था, तो परमेश्वर ने भजन 91 के आयतों के माध्यम से उससे बातें की और उसने अपना जीवन पूर्णकालिक सेवकाई के लिए समर्पित कर दिया। इसके अलावा, उन्होंने अपनी बुलाहट का आश्वासन अपनी पत्नी के साथ साझा किया; और वह भी परमेश्वर की आज्ञा मानने को तैयार हो गई। ईश्वर के मार्गदर्शन के बाद, 30 जनवरी 1980 को वे मिशनरी उम्मीदवारों के रूप में एफ.एम.पी.बी. में शामिल हो गए।

उत्तर भारत में सेवा :

आरम्भ में वे डेनिशपेट में मिशनरी प्रशिक्षण से गुजरे। एक साल का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, उन्हें क्रॉसकल्चरल मिशनरी के रूप में गुजरात भेजे गये। वे गुजरात राज्य में उस जगह पर पहुँचे, जहाँ कुकना लोगों के बीच सेवकाई फल–फूल रहा था और वे मिशनरियों के समूह में शामिल हो गए जो दक्षिण गुजरात में कुकना के बीच सेवा कर रहे थे। उन्होंने डांग जिले के पीपलवाड़ा में अपना सेवकाई आरम्भ किए और बाद में उच्छल चले गए और कुकना लोगों के बीच अपनी सेवकाई जारी रखा। सन् 1988 में, एक अन्य मिशनरी श्री पेरिनबादास के साथ उन्होंने गुजरात और महाराष्ट्र सीमा के पास नवकाम नामक एक गाँव में सभी नए विश्वासियों के लिए एक मेले की व्यवस्था की। श्री सुरियावमसी और एफ.एम.पी.बी. के तत्कालीन महासचिव श्री एम. पैट्रिक जोशुआ मेले के विशेष वक्ता थे। मेले में सैकड़ों नये धर्मान्तरित लोग एकत्र हुए। इसके अलावा, विश्वासियों ने हमारे मिशनरियों के मार्गदर्शन में सभी व्यवस्थाएँ कीं। उन्होंने तय कार्यक्रम के अनुसार मेला आरम्भ कराया। सभा के दौरान कुछ ईसाई विरोधी तत्वों ने पथराव कर बैठक में खलबली मचा दी। पथराव के दौरान हमारे कुछ स्थानीय प्रचारक और मिशनरी घायल हो गए। तभी असामाजिक तत्वों की एक और भीड़ ने कार्यक्रम स्थल में प्रवेश किया और शामियाना में आग लगा दी। श्रीमती जॉयस पाकियानाथराज ने दो विशेष वक्ताओं श्री एम. पैट्रिक जोशुआ और श्री सुरियावमसी को एक घर में

छिपा दिया और गुस्साई भीड़ से बचाया। भीड़ ने हमारे नौ लोगों को बुरी तरह पीटा और आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें खंभों से बांध दिया। श्री पैकियानाथराज उन व्यक्तियों में से एक थे जिन्हें बुरी तरह पीटा गया था और उनके पेट और छाती के हिस्सों में अंदरूनी घाव हो गए थे। मेहमानों को लेने आए ड्राइवर ने आग देखी तो पास के पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई और पुलिसकर्मियों को भी मौके पर लाया। उन्होंने विश्वासियों और मिशनरियों को घातक हमले से बचाया। उत्पीड़न के बीच में परमेश्वर ने हमें सैकड़ों विश्वासी दिए जो मसीह में अपने विश्वास में बहुत मजबूत थे।

अंतिम काल :

इस घटना में श्री पैकियानाथराज को गंभीर आंतरिक चोटें आईं। नतीजा यह हुआ कि उसका दिल फूलने लगा। 1989 से इसके बाद, उन्हें हृदय संबंधी समस्याएँ होने लगीं। एक बार उन्हें दिल का दौरा पड़ा और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया और आवश्यक उपचार दिया गया। चिकित्सा अवकाश पर, वह स्वास्थ्य लाभ के लिए थोप्पुर नामक अपने गाँव गए। 1990 के मई महीने में वे बहुत बीमार हो गये और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की सारी कोशिशें नाकाम रहीं और उन्हें स्वर्गीय बुलाहट को प्राप्त किया। श्री पाकियानाथराज ने अपनी सेवकाई अच्छी तरह से किया और 12 मई 1990 को परमेश्वर की महिमा में प्रवेश किया।

उनकी मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी श्रीमती जॉयस मुंबई मोबिलाइजेशन सेवकाई में शामिल हो गईं और विश्वासियों के बीच सेवकाई का काम किया, प्रार्थना समूह बनाए और समर्थन दिया। उनके बड़े बेटे गोल्डन जेबा जॉर्ज को मुंबई शहर में नौकरी मिल गई। श्रीमती पैकियानाथराज ने उनके लिए एक उपयुक्त साथी ढूँढ़ी और उन्होंने शादी कर ली। गोल्डन जेबा जॉर्ज अपने चर्च सेवकाई में बहुत सक्रिय थे। कुछ ही वर्षों में मुंबई के एक चर्च में बिजली मरम्मत का काम करते समय करंट लगने से उनकी मृत्यु हो गई। डेनिशपेट में FMPB वार्षिक शिविर में से एक में वह पहले ही अपने छोटे बेटे गोल्डन विक्टर जॉर्ज को खो चुकी हैं। रात के समय वह एक कुएँ में गिर गया जिसके चारों ओर कोई दीवार नहीं थी। भारी मन से, श्रीमती जॉयस ने पोते–पोतियों की देखभाल करते हुए मुंबई में संवकाई जारी रखा। 2009 में, श्रीमती जॉयस पैकियानाथराज पैंसठ वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद एफ.एम.पी.बी. से सेवानिवृत्त हो गईं। अब वह नागरकोइल के पास अपने गृहनगर में सेवा कर रही है। इस परिवार ने अपनी क्षमताओं से परमेश्वर के लिए अपना सर्वोत्तम प्रयास किया। आईए हम इस परिवार के लिए परमेश्वर को धनयवाद दें।

रेव्ह. डॉ . ई. राजन

उपवास
प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री बाबू बेंजामिन
श्रीमती सिप्पोरा जीवरत्ना बीरो
श्रीमती प्रोसोनसिता एफ्रैम माली, श्री मनोज पी.जे.
श्रीमती कोकनी सुमित्राबेन क्रिश्चियन
श्रीमती रूपा येलावगी चन्नामल्लप्पा
श्री किंग्सली लिविंगस्टन आर., श्री जॉन पेनिन जे.

जम्मू

आर.एस. पुरा :

लुंजालाल सोंगथैट एवं मैरी नेंगनेईकिम

स्तति : विश्राम धोबी परिवार अपनी मंडली की नवगठित सुसामचार प्रचार दल के साथ अपने 66 से अधिक रिश्तेदारों तक सुसमाचार पहुँचाया। जिंदर गाँव में एक नई आराधना केन्द्र शुरू की गई है। 7 लोग प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार हैं। विजय कुमार को उच्च रक्त शर्करा और थॉयराइड से चंगाई मिली। हमारे मिशनरी परिवार में एक बच्चे का जन्म और सुरक्षित प्रसव की आशीष के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें।

प्रार्थना : विश्वास से भटके कुलियान मण्डली के विश्वासी पुराचंद और सुनीता कुमारी के विश्वास में वापस आने के लिए प्रार्थना करें। चक गाँव में आराधना संचालन के लिए एक उपयुक्त स्थान मिलने के मिलने के लिए प्रार्थना करें। सुनीता कुमारी को सर्वाइकल की समस्या से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि तालु–चक गाँव के जगदीश परिवार यीशु मसीह में विश्वास करे। लोकेश्वरी, सुनीता कुमारी और सनी के लिए प्राथना करें कि वे अपना जीवन ईसा मसीह को समर्पित करें दिया और साथ ही सार्वजनिक रूप से यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार करें।

रामगढ़ :

जॉन एजुंग एवं लिबेनी एजुंग

स्तुति : कोथे, सिद्ध स्वांखा और खीरी गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। सिमरन, संजय, विजय और करनेलियुस परिवारों ने ईसा मसीह के बारे में और अधिक जानने में रुचि व्यक्त की। कोथे गाँव का करनेलियुस और अजय ने यीशु के पीछे चलने का फैसला किया। विजयपुर के हमारे विश्वासी ज्योति के रिश्तेदार गारो देवी और मोनू को सुसमाचार को सुनाए गए। हमारे कोठे गाँव के विश्वासी संजय का समय से पहले जन्मा बच्चा (7 माह) प्रार्थना के माध्यम से स्वस्थ हो रहा है।

प्रार्थना : नए विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने मित्रों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों से सुसमाचार साझा करें और अपने विश्वास में मजबूत हों। हमारे संपर्क में नए आए सिमरन, संजय, विजय, करनेलियुस, गारो देवी और मोनू के लिए प्रार्थना करें कि वे जो सुसमाचार पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। करालियाँ गाँव के राजू और राठा कुंटेल सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार करके प्रभु की महिमा के लिए अपने समुदाय और रिश्तेदारों लिए अपना नया जीवन शुरू आरम्भ करें। रामगर गाँव के प्रेम चंद, तारा, चंद प्रेम ने कंजान, तनशिका, देपाक, साहिल और साशी को यीशु मसीह को स्वीकार करने के लिए कहा है, प्रार्थना करें कि वे शराब की लत से छुटकरा पाएँ। परमेश्वर प्यारे को गले के कैंसर से वंगाई दे।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती लिसा पीटर अरुलानंदम
श्री गॉडविन किरुबाकरन
श्री सुनील कुमार

हिमाचल प्रदेश

करसोग : पवन कुमार एवं प्रभाशिनी देवी

स्तुति : सर्दियों के मौसम में परमेश्वर ने हमारी रक्षा की। हमें 29 नए गाँवों तक पहुँचने और वित्तीय वर्ष के दौरान 40–रात्रि बैठकें और 69 द्वितीय चरण की सभाएँ आयोजित करने और 5 लोगों को यीशु मसीह के शिष्य बनने में सक्षम बनाया। मोनिका की बेटी आराध्या को दस्त की समस्या से चंगाई मिली।

प्रार्थना : पल्याड़ गाँव में गृह आराधना शुरू करने के लिए एक उपयुक्त स्थान और स्थानीय लोगों का समर्थन मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि बसंतपुर गाँव के वियवासीगण नियमित रूप से चर्च आ सकें और उन सभी समस्याओं को दूर कर सकें जिनका वे सामना कर रहे हैं। हमारे सम्पर्क में नए आए कोट गाँव के लोग सुसमाचार के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दें।

रोहरू : जॉनसन शंकर एवं जेबारानी

स्तुति : प्रकाश के मालिक ने उसे एक साल से वेतन देना बंद कर दिया था और उसका परिवार जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहा था, जब मंडली ने इसके लिए प्रार्थना की तो परमेश्वर ने मालिक को उस इलाके का पैसा देने में मदद की। पहाड़ी जगह पर गिरने पर परमेश्वर ने सुबाधरा को सुरक्षा प्रदान की। रोशनलाल, जिन्होंने एक दुर्घटना और उसके कारण लगी चोटों के कारण अपनी नौकरी खो दी थी, चोटों से उबरने के बाद एक छोटी सी दुकान शुरू करने में सक्षम हुआ।

प्रार्थना : रोशनलाल, अंजना, मीनाक्षी, सूरज और रोहित के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में मजबूत हों और सार्वजनिक रूप से प्रभ पर अपने विश्वास का अंगीकार करें। प्रभु एक दुर्घटना के कारण घायल हुए बाबूलाल को चंगाई दे और फिर से अपना काम करना शुरू कर सके। प्रार्थना करें कि मीनाक्षी के परिवार में शांति बहाल हो।

आश्चर्यकर्मों का परमेश्वर

28–29 मार्च को बिहार के अररिया जिले में अररिया जिले के विश्वसीगण प्रार्थना सभा के लिए एकत्र हुए थे। दूसरे दिन, छह सदस्यों ने अपनी गवाही साझा की और मसीह के झुंड में शामिल हो गए। हमारे मिशनरी रेव्ह. एम. जॉन द्वारा कराये गये बपतिस्मा के दौरान, उन्होंने नहर के किनारे एक अजीब सफेद रस्सी लटकी हुई देखी। इसे हानिरहित मानकर किसी ने इस पर अधिक ध्यान नहीं दिया। हालाँकि, अप्रत्याशित रूप से, एक चरती हुई भैंस ने तार पर कदम रख दिया, जिससे बिजली प्रवाहित हो गई, जिसके परिणामस्वरूप करंट लग गया। दर्शक भैंस को छुड़ाने के लिए तार काटने के लिए दौड़े, परन्तु जैसे ही मिशनरी और नव बपतिस्मा प्राप्त व्यक्ति पानी से बाहर निकले, बिजली का तार पानी में गिर गया। तब यह एहसास हुआ कि रस्सी एक जीवित बिजली का तार था, और परमेश्वर ने चमत्कारिक ढंग से उन सभी को संभावित बिजली के झटके से बचा लिया था। परमेश्वर की स्तुति हो !

जन्मदिन मुबारक

श्री विक्टर जेयासीलन सी.
श्रीमती शीला सनमुगम
श्री जेबाराज सैमुअल वी.पी., श्री. विनू एम.
श्रीमती साराल जान्सी रानी जस्टिन वाई.
श्रीमती आनंदी शंकर एम.

पंजाब

बठिंडा : संजीब आनंद एवं प्रस्तुता; प्रताप रहांग एवं रश्मि प्रभा

स्तुति : 115 घरों में उपवास प्रार्थना संचालित की गई। पुरुषों, महिलाओं और युवाओं के बीच प्रार्थना की श्रृंखला आयोजित की गई। इकबाल को अस्थमा से और शेबाज को बुरी आत्मा से मुक्ति मिली। भगवानपुर गाँव से इंद्रजीत, हरभंसा, राजवीर कौर, चरणजीत कौर, लवप्रीत सिंह, हरविंदर सिंह सुसमाचार में रुचि दिखा रहे हैं। सेवकाई का विस्तार चक फतहसिंह वाला, गोनियाना, फूल, अंबेडकर नगर, थमनगढ़ गांव तक हो गया है। जोशुआ को निमोनिया से, नजर सिंह को त्वचा रोग से, सतवीर कौर को गर्भाशय की समस्या से और राजा को गुर्दे की पथरी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हमारी सेवकाई का विस्तार बठिंडा शहर, गोनियाना, बलुआना, संगत, मंडी, रामा मंडी, तलवंडी साबो और भाई भगता गाँव तक हो। भाई रूपा उपकेंद्र के लिए परमेश्वर एक सुसमाचार प्रचारक उपलब्ध करे। परमेश्वर की सेवकाई के लिए तैयार हो रहे साधना और साहिल सेवकाई में शामिल हों। तुंगवाली गाँव के कुलवंत सिंह को गले के कैंसर से, चंद सिंह को लकवा और तरसेम को हड्डी की समस्या से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि लक्षमण, बागी, कुलवंत, बाला, तरसेम, रेनदर, काला, मिश्रा और मौनी को शराब और नशीली दवाओं से संबंधित लत से छुटकारा मिले। भीम सिंह, लव प्रीत, रोहित, मुकेश, नन्ने, मनोज, राजू, अमित, बलवंत, सावंत और राजा के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार में रुचि दिखा रहे हैं ताकि वे यीशु मसीह को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें।

मनसा : देबब्रता बिश्वास एवं मन्ना सिंह

स्तुति : पिछले माह 7 गाँवों तक पहुँचने में परमेश्वर ने हमारी सहयता की और 5 नए परिवारों को कलीसिश में जोड़े गए, 2 आउटरीच सत्संग आयोजित किए गए, 480 लोगों ने सुसमाचार के अंश को गर्मजोशी से प्राप्त किए, 4 मण्डलियों में प्राचीनों की सभा आयोजित की गई, 2 बाल कार्यक्रम आयोजित किए गए, 1 महिला शिविर और 3 बाइबिल अध्ययन समूहों के अगुवों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए और 1050 ने सुसामचार सुना। पिछले महीने में खजूर रविवार के दिन एक विशेष रैली के माध्यम से 200 लोगों को सुसमाचार सुनाया गया। 37 गाँवों के 127 घरों में उपवास प्रार्थना आयोमित की गई। मंदेरना गाँव के गुरदीप कौर और बेअंत सिंह परिवर के लिए लंबे समय से संतान प्राप्ती के लिए प्रार्थना की जा रही थी, परमेश्वर ने प्रार्थना सुनी और उन्हें एक बच्चे का आशीर्वाद दिया। झुनीर गाँव के 60 वर्षीय हुक्कुम सिंह को प्रार्थना के माध्यम से लकवे की बीमारी से चंगाई मिली उन्होंने मार्च माह में अपना छुटकारे का कार्यक्रम आशेजित की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पाठाबस्ती गाँव के एक नए विश्वासी रमेश कुमार का पूरा परिवार मसीह को उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करे और पारिवारिक विवाद का अंत हो। हमारी कलीसिया के प्राचीन सुरजीत सिंह के 30 वर्षीय बेटे कुलदीप सिंह को शराब पीने और लड़ने की आदत से मुक्ति मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती हेपसीबाई साइरस सैमुअल
श्रीमती लीगर्ल मैरी गोल्डन इन्बाराज
श्रीमती सीता इसहाक आर., श्री. जेबाकुमार पी.
श्रीमती राउत जशोदाबेन प्रमोदकुमार
श्रीमती जेबासेली डैनियल मार्वेलराज
श्रीमती एंजेलिन विघ्नेश्वरन
श्री अनिल कुमार, श्री. निरंजन कुमार

मोगा : जस्टिन वाई. एवं सराल झाँसी रानी

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने प्रभु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया और यीशु के साथ जुड़ गए हैं। हमारे 6 विश्वासियों ने गुड फ्राइडे अराधना के दौरान क्रूस से यीशु के शब्दों को साझा किया। मंजू के पति को परमेश्वर ने एक दुर्घटना में बाल–बाल बचाया।

प्रार्थना : नवागंतुकों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु को स्वीकार करें और यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार करें। 4 महीने के जोएल के हाथ और पैर के घाव ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। आई.सी.यू. में भर्ती 6 महीने का बच्चा अमन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें।

जैतो : चितारंजन तांडी एवं तेजस्विता

स्तुति : 3 व्यक्तियों को यीशु में जोड़ा गया। अमनदीप कौर, निशा कौर, अमरजीत कौर और ज्योति कौर को दुष्टात्माओं के बनधन से छुटकारा मिली। कलीसिया का एक प्राचीन जो विश्वास से पीछे हट गया था, अपनी गलती का एहसास हुआ और उसने प्रभु में अपना विश्वास को फिर से आरम्भ कर दिया है। जसवन्तर सिंह और जोही परिवारों के लोग हाल ही में कलीसियाई आराधना में भाग लेना आरम्भ किए हैं। चर्च से चुराया गया सारा सामान बरामद कर लिया गया है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि मल्ला, सैंडवन और वांडर गाँवों में जो सुसमाचार प्रचार किया गया है वह फलदायी हो। विश्वास से भटके पिंडर, कृष्णन और काल परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे फिर से विश्वास में वापस आएँ। रानी कौर के लिए प्रार्थना करें जिनका 2 बार गर्भपात हो चुका है, बच्चों को जन्म देने में सक्षम हो। सुसमाचार का विरोध करने वाली मिंदा कौर और कौसल्या देवी का हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें।

बाघापुराना : कोंकणी संपत एवं आशा लक्ष्मी

स्तुति : आराधना समूह परमेश्वर की आराधना करने के लिए 4 स्थानों पर एकत्र हो रहे हैं। बच्चे बाइबिल से सीखने के लिए 2 स्थानों पर एकत्रित हो रहे हैं और 1 बच्चों की कक्षा हाल ही में शुरू की गई है। 3 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। 3 व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से परमेश्वर पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। विश्वास से भटके 7 लोगों ने अपना विश्वास फिर से शुरू कर दिया है। चोटिया गाँव के सिंदार को दुष्टात्मा के बनधन से छुटकारा मिली। जब संजू ने आराधना में भाग लेना शुरू किया तो उन्हें नशे की लत से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : 3 गाँवों में सुसमाचार के साथ 1100 तक पहुँचने की योजना, 3 गाँवों में जीज़स फिल्म प्रदर्शित करना और इस महीने के अंत तक 5 व्यक्तियों को ईसा मसीह के पास ले आने की योजना संभव होने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि युवा विश्वासीगण मसीह के लिए आत्माओं को जीतने में उत्साहपूर्वक भाग लें। प्रार्थना करें कि सेकाहा, कल्ल और दौलतपुरा गाँव में आराधना समूह शुरू शीघ्र शुरू किया जा सके। अर्श दीप और किरण दीप को स्तन कैंसर से चंगाई मिले। राजियाना गाँव के पाल देव को दुष्टात्माओं के बनधन से छुटकारा प्राप्त हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री स्टीफन जेयासीलन बी.
श्रीमती जेसी जीवा प्रभा डेविड
श्रीमती माबेल वसंता कुमारी बबुराज
श्री पुष्पाराज आर., श्री. भरणीधरन एस.

उत्तराखंड

बाजपुर :

क्रिश्चियन प्रकाश एवं सुमित्रा

स्तुति : जब इटावा और देवधाट गाँवों में सुसमाचार का प्रचार किया गया और 250 लोगों ने सुसमाचार सुना। 2 व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु में अपने विश्वास का अंगीकार किया। सुसमाचार के प्रचार के लिए बुखारा और बन्नाखेड़ा लोगों के समूह के बीच खुले दरवाजे के लिए और छोटेलाल परिवार के लिए जिन्होंने आध्यात्मिक सभाओं को आयोजित करने के लिए अपना घर दिया है। प्रेमाबाई की दोनों आँखों का सफल ऑपरेशन किया गया। मण्डली की प्रार्थना के माध्यम से बन्नाकेड़ा गाँव की हमारी नई विश्वासिनी 45 वर्षीय सोनावती को उस दुष्ट के कब्जे से मुक्ति मिली जिसके कारण उसने खुद को टूटी हुई चश्मे से चोट पहुंचाई थी और छत से कूदने की कोशिश की थी।

प्रार्थना : पुष्पादेवी और छोटेलाल के परिवार के साक्षी जीवन के माध्यम से, बुकाशा समूह के लोगों के बीच मंत्रालय को जड़ें जमाने के लिए, ताकि पवित्र आत्मा कई और लोगों को यीशु मसीह की ओर ले जाए । रामकली एक दुष्ट आत्मा के कब्जे से भटकी हुई आस्तिक है जिसे फिर से चर्च में लाया जा सके। मोनिका और दिशा को अपने पतियों के हाथों होने वाले शारीरिक शोषण से मुक्ति मिले। परमेश्वर ज्योति को रीढ़ की हड्डी की समस्या से और मीनाक्षी को हृदय रोग चंगाई प्रदान करे।

मलधनचौर :

शिशुपाल एवं अनीता

स्तुति : जिन दो गाँवों तक सुसमाचार पहुँचा, उनमें से 4 लोग मसीही मण्डली में शामिल हो गए। गढ़वाली लोगों के समूह के बीच सेवकाई चलाई संचसलित की जा रही है। इंद्रजीत को क्षय रोग से चंगाई मिली। विजय कोहो को मुँह के कैंसर से मुक्ति मिली, जिससे वह 6 महीने से पीड़ित थे, जब उनकी बहन ने हमारे मिशनरियों से उनके लिए प्रार्थना करने का अनुरोध किया; उसके बाद वह खाने और बात करने में सक्षम हुआ।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि हरिनगर में नियमित आराधना आरम्भ किया जाए। प्रार्थना करें कि माद्री कतल और गुरुमीत को दुष्टात्माओं के कब्जे से छुटकारा मिले। कालिदास, संदीप, कालीचरण और चंपा ने साहसपूर्वक परमेश्वर में अपने विश्वास को प्रगट किया।

जन्मदिन मुबारक

श्री राजेंद्रन एस.
श्रीमती क्रिस्टी राजन ई., श्री. सैंड्या नायक
श्रीमती विमला डेज़ी जॉन पॉल हैरिस
श्री सामराज डी., श्री. सीनू टी.

नानकमत्ता :

रामासामी जेरोम एवं एंथोनी राजम

स्तुति : 5 नये गाँवों के 150 लोगों ने सुसमाचार प्राप्त किया। जोस्ट कॉलोनी का विकास को प्रार्थना के माध्यम से दौरे से चंगाई मिली। हरदासपुर गाँव के रोहित को प्रार्थना के द्वारा दुष्टात्माओं से मुक्ति मिली। विकास, रोहित और शिवानी परिवार के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जो हमारी कलीसियाई आराधना में नए आ रहे हैं। बिजली कॉलोनी में रहने वाले हमारे विश्वासी कश्मिरीसिंह को अपनी आर्थिक समस्या दूर करने के लिए ऋण प्राप्त हुआ।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि गेरुदरसिंह का परिवार आर्थिक रूप से समृद्ध हों जो बहुत ही गरीबी में रहते हैं। जसलाम नगर के ज्योति की बड़ी बहन को योग्य जीवनसाथी मिले। रानी को सीने के दर्द से चंगाई प्राप्त हो। आमखेड़ा गाँव के त्रिलोकसिंह परिवार, हुरदासपुर गाँव के रोहित परिवार और शेवानी परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे सभी बाधाओं को दूर करके सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार करें। शिवानी के लिए प्रार्थना करें जो एक बच्चे के लिए उसका परिवार बेसब्री से इंतजार कर रहा है। स्मैक्सलाल को शराब की लत से मुक्ति मिले। प्रार्थना करें कि 9 साल की बच्ची परी को चलने और बातचीत करने का सामर्थ्य प्राप्त हो।

हरियाणा

रतिया :

एस. कर्तिकेयान एवं जयंती

स्तुति : हमारा विश्वासी राज परिवार को परमेश्वर ने एक नया ट्रैक्टर खरीदने में सहायता की। बीमारी से पीड़ित एक साल की बच्ची परी और उल्टी की समस्या से जूझ रही जस्मीन को परमेश्वर ने चंगाई दी। उन 250 लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने सुसमाचार को सुना और 200 सुसामचार साहित्य और 5 नए नियम प्राप्त किए। महिला सम्मेलन, सत्संग, रात्रि–मिलन तथा रिंकू का विवाह कार्यक्रम सफलतापुर्वक सम्पन्न हुआ। महिलाओं और युवाओं के बीच नियमित प्रार्थना चल रही है।

प्रार्थना : जसमीथ, गुरविंदर और सुरजवान को दुष्टात्माओं के बनधन से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें। रेखा, पालो, सतपाल, मंजीत, और विजय को संतान सुख प्राप्त हो। गजल, गुरुमीत, मंजीत और हुकुमीबाई को गर्भाशय के सिस्ट से चंगाई मिले। आशा, प्रेमो, सानिया और ओमी को किडनी की पथरी छुटकारा मिले। प्रियंका और पूजा के सुरक्षित प्रसव के प्रार्थना करें। गुरुचंद्र सिंह को किडनी और क्षय रोग की बीमारी से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती गुनासेल्वी फ्लोरेंस सुधाहरण
श्री समारेन्द्र सिंह, श्री डेनियल अरुलमनी जे.
श्रीमती नाहोमी राजम साऊ भुईयाँ
श्रीमती मेनगा गोपिकृष्णन
श्री कुमरावेल एस.

फतेहाबाद :

डेविड. एस. एवं जेबा ग्रेस

स्तुति : सुसमाचार को हाल ही में 480 व्यक्तियों को सुनाया गया। 7 लोगों को नए नियम और 3 लोगों को पूरी बाइबल प्राप्त हुई। 20 लोगों ने प्रभु पर अपना विश्वास प्रकट किया। विधवा का ससुर अंगुनी उसे रविवार की सेवा में शामिल होने से रोकता है और उसे उस विश्वास को छोड़ने की धमकी देता है जिसके लिए वह उसके और उसके बेटों के खिलाफ काला जादू करता है; परन्तु प्रभु ने उसे और उसके पुत्रों को सभी बुरे प्रभावों से बचाया है। जब वीनेश की पत्नी ने उनसे पारिवारिक प्रार्थना में शामिल होने के लिए प्रार्थना की तो प्रभु अब उन्हें बाइबल पढ़ने और प्रार्थना करने में सक्षम बना रहे हैं।

प्रार्थना : पुहुना तासील उपकेंद्र में शुरू की गई सेवकाई के फलदायक होने के लिए प्रार्थना करें। अरोड़ा मेहता समूह के मुकेश को शराब की लत से मुक्ति मिले। कोहा के बेटे को फेफड़ों की समस्या से मुक्ति मिले और वे प्रभु को स्वीकार करें। स्थानीय प्रचारक राम रेगा को लीवर की समस्या से चंगाई मिले।

राजस्थान

उदयपुर :

आशीष कुमार एवं सविता देवी

स्तुति : उन 190 लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद दें जिन्होंने उंडोरी और चंद्रवास नामक दो गाँवों में सुसमाचार प्राप्त किया। 5 लोग ईसा मसीह के शिष्य बने। आशा को प्रार्थना के माध्यम से अपनी स्त्री रोग संबंधी समस्या से पूरी तरह ठीक हो गईं। कमल की पत्नी रेशमी शादी के 9 साल बाद प्रार्थना के द्वारा गर्भधारण की है। दिताली, खेमराज और लीला को प्रार्थना के माध्यम से दुष्टात्माओं से मुक्ति मिली। राहुल और उनकी माँ को प्रार्थना के माध्यम से मानसिक बीमारी से मुक्ति मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि स्थानीय लोगों के सहयोग और भागीदारी से वसाला गाँव में हो रहे चर्च का निर्माण समय पर पूरा हो सके। राजकुमार और प्रकाश को कैंसर से चंगाई मिले। केवाराम, पीना, मुकेश और विजय को बुरी आत्माओं से मुक्ति मिले। सुकना के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें क्योंकि वह टीबी और खून की कमी से पीड़ित है। मोतियाबिंद और मधुमेह से पीड़ित आनंदी लाल की आँखों का सफल ऑपरेशन के लिए प्रार्थना करें।

खाजूवाला :

वी. कुमार एवं पेट्रीसिया

स्तुति : रावला गाँव के सुमन का विवाह कार्यक्रम सफलता पुर्व सम्पन्न हुआ। रावला गाँव के नवनाथ जब वह अपने घर की पहली मंजिल से गिर गया परमेश्वर ने उसकी रक्षा की। विश्वासीगण स्वयं अपने–अपने स्थानों पर उपवास प्रार्थना और बाइबिल अध्ययन का संचालन करते हैं। निरूपा खान लोगों के सामने अपनी विश्वास का अंगीकार करने के लिए तैयार है।

प्रार्थना : हमारे विश्वासी गुरुचरण के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसको गंभीर सिर दर्द से चंगाई दे। विशाल के लिए प्रार्थना करें जो बाईबल पढत्र रहा है परमेश्वर उसको छूए और अपना जीवन परमेश्वर को समर्पित करे। सरवनसिंह के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करे।

उपवास
प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री जस्टिन वाई.
श्रीमती निरुपोमा खोसला नाथन कुमार

खेरवाड़ा :

भोया देवुभाई एवं गवित जामुबेन; केनोज स्टेनली एवं चांदनी; देवाशीष हेम्ब्रोम एवं शेफाली हांसदा

स्तुति : हरदी निवासी हमारे प्रचारक कांतिलाल को दस्त और उल्टी से चंगाई मिली। हमारे प्रचारक की प्रार्थना के माध्यम से माड़ा गाँव की सुरता ने सुरक्षित प्रसव द्वारा एक बच्चे के जन्म दी। हमारे विश्वासी गजु के पुत्र कीर्तन को परमेश्वर ने प्रार्थना के द्वारा बेहोशी की हालात से चंगाई दी। घाटा गाँव की शिवानी जब मोटरसाइकिल से गिरकर बेहोश हो गई थी तब परमेश्वर ने उसको चंगाई दी।

प्रार्थना : गोजिया गाँव का खाटू खराड़ी के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध करता है यीशु मसीह के प्रेम को जाने। परमेश्वर ननौदा गाँव की गायत्री को, जो अचानक गूंगापन और कंपकंपी से पीड़ित हो गई है और गदावतेश्वर गाँव की गोरी को, जिसे पिछले कुछ महीनों से खून की उल्टियां हो रही हैं, तथा रत्नी को पेट और शरीर में सूजन से चंगाई मिले। घुघरा गाँव की लीला की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिसके पति की मृत्यु हो गई। अमालिया गाँव के अर्जुन को मिर्गी की बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परमेयवर हमारे विश्वासियों के कुओं और बोरवेलों में पानी के स्रोत खोलें क्योंकि वे पानी की कमी का सामना कर रहे हैं। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो हेरावाड़ा मण्डली के लोगों द्वारा ईसा मसीह को स्वीकार करने का विरोध करते हैं।

हनुमानगढ़ :

राजी नायक एवं जान्सीबाई

स्तुति : तीन व्यक्तियों ने सार्वजनिक रूप से परमेश्वर पर अपना विश्वास का अंगीकार किया। बाइबिल अध्ययन समूह लगातार संचालित किये जा रहे हैं। सोनूभाई को दुष्टात्माओं के कब्जे से मुक्ति मिली। सुका सिंह एक ईसाई–विरोधी पार्टी पृष्ठभूमि से हैं, जब उन्होंने परमेश्वर का वचन सुना तब पवित्र आत्मा ने उनमें कार्य किया है और उन्होंने परमेश्वर से क्षमा मांगी।

प्रार्थना : विश्वास से भटकी पूजा के विश्वास में फिर से वापस आने के लिए प्रार्थना करें जिसने बाईबल भी वापस लौटा दी है। प्रार्थना करें कि सतीश और उनके बच्चे खुलकर अपने विश्वास को अंगीकार करें। अंजलि और सुनीता को स्त्री रोग संबंधी समस्याओं से ठीक हो चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि मानकसर गाँव में हर सप्ताह कम से कम एक से दो लोगों की हो रही विचित्र मौत की घटनाएं रुके।

संगारिया :

अमीरकान्त दिगल एवं निरोला

स्तुति : 50 विश्वासियों ने गुड फ्राइडे की आराधना सेवा में भाग लिया और 80 लोगों ने पुनरुत्थान की आराधना में भाग लिया। सक्सोनीवाला गाँव में कई लोग हमारे संपर्क में नये मिले। 4 लोगों ने परमेश्वर पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। नगराना मण्डली के विश्वासीगण प्रभु में बढ़ रहे हैं।

प्रार्थना : प्रियंका, सुनीता, ममता, ज्योति, गुलाब सिंह और भक्त सिंह के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने सुसमाचार सुना है, ताकि वे सुसामचार के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। प्रार्थना करें कि विश्वासियों के बच्चों को परमेश्वर का भय मानने वाले जीवन साथी मिले। नगराना गाँव में चर्च बनाने के लिए जमीन खरीदी जानी है कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि पैकरिया जन समूह के बीच सुसमाचार के लि द्वार खुले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती मुथु सेल्वी सेंथिल कुमार
श्री वाघेरा प्रमोदकुमार धर्मभाई

तपुकारा :

जॉनसन तमिलसेल्वन (सेवानिवृत्त) एवं राजम्मल तमिलसेल्वन; डैनियल मार्वेलराज एवं जेबासेली

स्तुति : पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 20 लोगों ने परमेश्वर पर अपना विश्वास का अंगीकार किया। 1000 घंटे की प्रार्थना में भाग लेने के बाद परमेश्वर ने सारागौ गाँव की सिलो को 17 वर्षों के बाद लंबित अदालती मामले को उसके पक्ष में फैसला लेने में मदद की। सुमन ने परमेश्वर पर अपना विश्वास अंगीकार किया क्योंकि उसे गर्भाशय की समस्या से चंगाई मिली जिससे वह जूझ रही थी। लगातार 1000 घंटे की प्रार्थना में भाग लेने के बाद परमेश्वर ने सुमन, बबली, अशोक, सुनीता और प्रीति को उनके वेतन में वृद्धि का आशीर्वाद दिया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि पूजा को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बोलने या चलने में असमर्थ बच्चे सोनू को चंगाई दे और उसके माता–पिता प्रभु को ग्रहण करें। माफिया गिरोह का सदस्य विकास के लिए प्रार्थना करें जो नशीली दवाओं की तस्करी और चोरी करता है प्रभु को ग्रहण करे। उन 8 लड़कों और 14 लड़कियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने जीवन में सही जीवनसाथी पाने का इंतजार कर रहे हैं।

उत्तर प्रदेश

भरथाना :

एस. राजन एवं जेबा मलर

स्तुति : परमेश्वर ने सुसमाचार को 6 नये गाँवों तक ले जाने में हमारी मदद की। कटमौ गाँव की कुमारी काजल, मड़ोख गाँव का सतीश कुमार और कोट्टी गाँव की रागिनी और रजनी को दुष्टात्माओं से छुटकारा मिली। मुर्चा गाँव की श्री गंगा को मुंह के कैंसर से मुक्ति मिली। अजीतमल गाँव की पूनम को बेटे का आशीर्वाद मिला और बिधूना गाँव के फेवा को शादी के 8 साल बाद प्रार्थना के द्वारा एक पुत्र की आशीष मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करे कि हाल ही में हुए गर्भपात से चिंतित भरथाना कॉलोनी की मनीषा और सचिन परिवार को ईश्वर सांत्वना प्रदान करे। प्रार्थना करें कि मेहना चर्च का अदालती मामला सुलझने पाए और जो लोग रविवार की आराधना सेवा को रोकना चाहते हैं वे यीशु मसीह के प्रेम से छुए जाएँ। कोट्टी गाँव की लोंगश्री परिवार (2 बेटे और 2 बहुओं) के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। सजोखरी गाँव की रानी और पुष्पा, रामपुरा गाँव का पयार सिलमटी, अछल्दा गाँव का जोठी और भारापुर का दीप कुमार को बुरी आत्माओं से छुटकारा मिले। प्रार्थना करें कि वैवाहिक जीवन के 12 वर्षों से संतानहीन बारबुरा गाँव की ममता को संतान की आशीर्वाद मिले। परमेश्वर राधा को हृदय रोग से, महना गाँव की रजनी को पेट के ट्यूमर से, रजनीपुर गाँव की कोमल को पित्ताशय की पथरी से, संगीता को गर्भाशय के ट्यूमर से, कालका प्रसाद को लीवर में सूजन से, कुर्खा गाँव के कुलदीप को मानसिक समस्या से, गैलिमपुटा गाँव की ममता को लीवर की समस्या से, अछल्दा गाँव की आरती को मलेरिया और टाइफाइड से, मसूदपुर गाँव की रानी को मुँह के कैंसर से, बहादुरपुर गाँव की अंकित को आंत की सूजन और गर्भाशय के संक्रमण से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री केनेथ करियप्पा
श्रीमती रत्नाम्मा संध्या नायक
श्रीमती जेया गौवरी सिबि सेल्विन
श्रीमती संथम्मल जॉनसन
श्री वुमबियाक लाल, श्रीमती चरणी डिहे
श्रीमती शीबा पुष्पा रानी जॉन पेनिन
श्री हेनरी सोलोमन जी., श्री. बंगारू नायडू करीं
श्रीमती रश्मि प्रभा प्रताप रहांग
श्रीमती संगीता जेसिंथा इमैनुएल एस.
श्री डेनियल धनासिंह एस.

गोंडा :

ओमप्रकाश गुप्ता एवं तुम्पा चौधरी

स्तुति : प्रार्थना करें कि सुमित और निशु बाबू अपनी 12 वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा सफलतापुर्वक लिखने पाएँ। गोंडा निवासी हमारे विश्वासी रंजन की पोती को परमेश्वर ने एक बच्चे देकर आशीषित किया। माता–पिता के योगदान से छात्रावास के लिए नया इन्वर्टर और बैटरी उपलब्ध किया गया क्योंकि वे नियमित रूप से समय पर अपने सहयोग राशि का भुगतान करते हैं। हम बाइबल अध्ययन, छोटे समूह की प्रार्थना, फॉलो – अप, कुटीर बैठकें, बच्चों की कक्षाएँ और विभिन्न गाँवों में जाकर प्रार्थना करते हैं। तिलखाइ, खेरौर, संभुतारा, कुकुरभोकवा, भलुआ, गंगावल बाजार और नाथ नगर गाँवों में हमारे संपर्क में नए बाए लोग परमेश्वर के प्रेम के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

प्रार्थना : निशु बाबू और सुमित को बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। प्रार्थना करें कि उत्तर प्रदेश में मौजूदा हालात के बावजूद विश्वासीगण अपने विश्वास में स्थिर रहें। पिछले 10 वर्षों से बुरी आत्मा के कब्जे से पीड़ित विद्याराम की माँ को छुटकारा मिले। हमारा मिशनरी टुम्पा चौधरी के पिता को कैंसर से चंगाई मिले जिनका इलाज चल रहा है। प्रार्थना करें कि छात्रावास भूमि मामले में हमारे पक्ष में सकारात्मक फैसला मिलने पाए जो लखनऊ उच्च न्यायालय में वकील वी.पी. द्वारा सम्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।

जालौन :

राकेश गवित एवं रेशमा मारुति

स्तुति : 4 लोगों को परमेश्वर के राज्य में जोड़ा गया। 2 नए गाँव में सुसमाचार प्रचार किया गया। वावली नामक स्थान पर गुड फ्राइडे की बाराधना और सिरसाकलार दमरास और मदनीपुर गाँवों में पुनरुत्थान रविवार की आराधना आयोजित की गई।

प्रार्थना : सिरसाकलां मण्डली के विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु में दृढ़ रहें और जिन समस्याओं से गुजरते हैं उनका सामना साहस के साथ कर सकें। लोधीपुरा गाँव के रोशन को दुष्टात्माओं के बन्धन से छुटकारा मिले। कंजरी गाँव और हरसिंगपुर में सुसामचार के निमित एक खुले द्वार के लिए प्रार्थना करें जहाँ हमारे सम्पक में एक एक परिवार के लोग मिले हैं।

जन्मदिन मुबारक

श्री ऑगस्तुस पुष्पराज
श्रीमती जोन्स स्वीटलीन पॉल डेनियल
श्री आनंद कुमार सेल्वराज वी.
श्रीमती जिंसी संताकुमार जे.

घाटमपुर :

हेलून जे.थौथांग एवं
न्गैथियांगचिंग

स्तुति : घाटमपुर क्षेत्र की समस्या धीरे–धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रही है और बन्द पड़े चर्च खोले जा रहे हैं। खजूर रविवार, गुड फ्राइडे और पुनरुत्थान रविवार पिछले वर्ष की तुलना में अधिक चर्चों में विश्वासियों की बड़ी भागीदारी के साथ मनाया गया। घाटमपुर मुख्य चर्च को मिशनरी परिवार और प्रचारक अनिल कुमार द्वारा पुनरुत्थान रविवार की आराधना के लिए गया था। कई चुनौतियों के बावजूद विश्वास में बनी रहने वाली रीना को अब परिवार में प्रेम का अनुभव होता है और उनके बेटे वैभव के रक्त परीक्षण के माध्यम से पता चला है कि रक्त कैंसर की कोई संभावना नहीं पाई गई है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि घाटमपुर क्षेत्र में इस वित्तीय वर्ष में कोई भी मिशनरी या धर्म प्रचारक झूठे पुलिस केस का शिकार बनकर दोबारा जेल न जाए। प्रार्थना करें कि सुरेंद्र कुमार आध्यात्मिक रूप से जागृत हो जहानाबाद चर्च को खोलने से न डरे। घाटमपुर क्षेत्रों में सक्रिय ईसाई विरोधी समूह और उनके समर्थकों के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन्हें स्पर्श करे और वे मन फिराएँ। हाल के दिनों में कटारा उप–केंद्र क्षेत्र में ईसाई विरोधी समूह अधिक सक्रिय हो रहे हैं, प्रार्थना करें कि परमेश्वर उन लोगों पर हस्तक्षेप करे।

झींझक :

समारेंद्र सिंह एवं
सुष्मिता

स्तुति : 6 व्यक्तियों ने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। हमारे नए विश्वासी की बेटी निन्सी जो पिछले 2 महीनों से गंभीर पेट दर्द से पीड़ित थी, प्रार्थना के माध्यम से चंगी हो गई। कुकर पुरवा, मोलगी, कराची और कानपुर गाँव के विश्वासियों के लिए विशेष सभाएँ आयोजित की गईं। लगभग 100 व्यक्तियों के साथ सुसमाचार साझा किया गया और 50 लोगों को नए नियम दिए गए।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सभी चर्चों में वी.बी.एस. कार्यक्रम आयोजित करने की योजना सफल हो। प्रार्थना करें कि वी.बी.एस. शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल हो। राम गाँधी को संतान आशीष मिले। उन विश्वासी बच्चों के लिए प्रार्थना करें जो सरकारी नौकरियों में जाने के लिए सरकारी परीक्षाओं में शामिल हुए हैं उच्च अंक प्राप्त कर सकें।

जन्मदिन मुबारक

श्री कुमार पॉल के.

श्रीमती मिथिलेश दीरत्ना

क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर :

मोंगवाई फोम एवं निशा फोम

स्तुति : प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद, पुखरायाँ और बिल्हौर क्षेत्रों के विश्वासियों के लिए चर्च में 3 मसीही विवाह आयोजित किए गए। परमेश्वर ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हमें 13 नए गाँवों तक सुसामचार के साथ पहुँचने में हमारी सहायता की। मुर्चा गाँव की गंगा श्री को हमारी प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप मुंह के कैंसर से चंगाई मिली। हमारे पुखरायाँ क्षेत्र के मिशनरी ने मांडी गाँव में रहने वाले नट समुदाय के विश्वासियों को पढ़ाना आरम्भ किए हैं। ईश्वर की कृपा से, हम इस वर्ष वी.बी.एस. आयोजित करने के लिए वी.बी.एस. गीत और अन्य सामग्रियाँ तैयार करने में सक्षम हुए।

प्रार्थना : पुखरायाँ चर्च परिसर में चर्च–आधारित प्रशिक्षण केंद्र का निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए परमेश्वर ने दिल्ली प्रार्थना समूह को पुखरायाँ चर्च का दौरा करने के लिए मार्गदर्शन और सुरक्षा प्रदान किया और उन्होंने विश्वासियों के लाभ के लिए इस परियोजना को प्रायोजित करने का आश्वासन दिया है प्रार्थना करें कि वे इस अश्वासन को पूरा कर सकें। ईश्वर हमारे प्रचारक कमल कुमार की माँ को स्पर्श करें और उन्हें चंगाई प्रदान करे क्योंकि उनका एक्सीडेंट हो गया था और उनके हाथ पैर में फ्रैक्चर हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हमारे प्रचारक पंकज के पिता की चंगाई के लिए प्राथ्रना करें जो गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। सभी मिशन क्षेत्रों में आयोजित होने वाले वी.बी.एस. कार्यक्रम फलदायी हो और अधिक से अधिक बच्चो वी. बी.एस. भाग ले सकें तथा और यीशु मसीह के प्रेम को जान सकें। बहुआ, महेना, पवन, जहानाबाद और घाटमपुर में आराधना सेवा फिर से आरम्भ होने के लिए प्रार्थना करें जिसे सुसमाचार के विरोधियों ने जबरदस्ती बंद करवा दिया है। उत्तर प्रदेश में सेवारत मिशनरियों एवं प्रचारकों की सुरक्षा एवं मार्गदर्शन के साथ–साथ उनके अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

मध्य प्रदेश

चिरिया : महेंद्रन एवं पुष्पम

स्तुति : 20 लोगों ने यीशु मसीह पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। दयाराम के खुद को कुएं में छलांग लगाकर आत्महत्या करने के प्रयास को विश्वासी भानुभाई ने रोका जो उसे बचाने के लिए कुएं में कूद गए थे और उन्होंने दयाराम के साथ सुसमाचार साझा किया और उनके लिए प्रार्थना की। मल्लूमैयन की पत्नी अचानक बेहोश हो गईं थी और उन्होंने उनके लिए करीब 10 घंटे तक प्रार्थना की जिसके बाद वह होश में आईं। लाली ने प्रार्थना के माध्यम से सी–सेक्शन के बिना असामान्य रूप से बच्चे को जन्म दिया।

प्रार्थना : सुसमाचार का विरोध करने वाले हरसिंग पटेल को सुसमाचार सुनाया गया है प्रार्थना करें कि वह प्रभु को स्वीकार करे। विक्रमपुराण को पैरों की सूजन संचांई मिले। बिलगेट चर्च का निर्माण बिना किसी बाधा के पूरा होगा सके। विश्वास से भटके राजाराम, बुरु, बिरुला और मधु परमेश्वर पर फिर से अपना विश्वास आरम्भ कर सकें। गीता के पति के उद्धार के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्री एल्बिन टी., श्री. मित्रण ई.
श्री रमेश वेलराज ए., श्री नहेमायाह
श्री मुथैया यू. सैमुअल
श्रीमती पंकजम हरि बाबू गुंडरा
श्रीमती हन्ना मैरी स्लेशर राजेंद्रन

पाल :वेंकटेश वड्डार एवं शीबा पी.

स्तुति : 5 गाँवों में सुसमाचार साझा किया गया और 567 व्यक्तियों को सुसमाचार साहित्य दिया गया। पिपलकुरा का पति जो उससे झगड़े के कारण घर छोड़कर चला गया था प्रार्थना के उत्तर में वापस घर लौट आया। धारसिंह के बेटे की आँख में रॉड लगने से सेप्टिक हो गई थी, परन्तु प्रभु ने उसको चंगाई दी।

प्रार्थना : पुलिबेन के पैर की चंगाई के लिए प्रभु से प्रार्थना करें जो चोट लगने के बाद सड़ने की स्थिति में हैं। प्रार्थना करें कि सुनील को अपनी सुनने की क्षमता वापस मिले। कस्तूरी को लकवा की बीमारी से चंगाई मिले। सुसमाचार का विरोधी अंबापानी गाँव का मुखिया के लिए प्रार्थना करें कि परमेश्वर से उसका आमना सामना हो।

कड़ौरा : बिमल चंद्र मुर्मू एवं चिंतामनी

स्तुति : 143 व्यक्तियों को सुसमाचार का संदेश सुनाया गया। 3 स्थानों पर 1000 घंटे की प्रार्थनाएँ सफलतापूर्वक आयोजित की गईं। शिवानी गाँव में 8 वर्ष पहले चर्च बनाने के लिए जमीन खरीदी गई थी और उसका विरोध हुआ, इसलिए चर्च नहीं बनाया गया, परन्तु अब प्रार्थना के कारण एक छोटा सा कमरा बना दिया गया है और उसमें आराधना का संचालन किया जाता है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि इस वर्ष के अंत तक 100 लोगों को मसीह में ओर लाया जा सके। मानकी, चंदनपुर और इटोरा में नियोजित बड़े स्तर के आउटरीच कार्यक्रम को बिना किसी समस्या के सम्पन्न होने के लिए प्रार्थना करें। इटोरा क्षेत्र में सेवकाई के लिए जा रहे हमारे स्थानीय प्रचारक को रहने के लिए एक अच्छा घर मिलने के लिए प्रार्थना करें।

घातक जहर – यह चोट नहीं पहुँचाएगा

पश्चिम बंगाल के बगावत जिले के मानिकपुर गाँव में लुटिया टुडू नाम का एक विश्वासी रहता था, जो एक प्रार्थना करने वाला योद्धा था और गाँव में सभी लोगों के लिए मध्यस्थता की प्रार्थना करता था। जब उसने अपनी सारी बचत से अपने गाँव में एक घर बनाना शुरू किया, तो उसके ईर्ष्यालु पड़ोसी ने उसके प्रयासों में बाधा डालने का प्रयास किया। हालाँकि, लुटिया टुडू ने अपनी प्रार्थनाओं से हर बाधा को पार किया और निर्माण कार्य को आगे बढ़ाया। परिणामस्वरूप, उसका पड़ोसी नाराज हो गया और उसके खिलाफ काम करने लगा। एक रात, खाना खाते समय, उसे अपने भोजन में एक असामान्य स्वाद का पता चला और उसने खाना बंद कर दिया। जाँच करने पर, उसे एक खाली कीटनाशक की बोतल मिली और उसे एहसास हुआ कि उसके भोजन में जहर था। उसने तुरन्त सुरक्षा के लिए प्रार्थना की और परमेश्वर की कृपा से उस पर जहर का कोई असर नहीं हुआ। परमेश्वर की महिमा हो!

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती ज्ञानापुष्पम् अरुलराज
श्री विनोद कुमार सिंह, श्री रवि के.
श्रीमती ममता तिम्मन्ना
सुश्री रूथ मालतो

बिहार

छातापुर :

रवि राठौड़ एवं सुधा रानी

स्तुति : बरुण साडा को कुष्ठ रोग से चंगाई मिल रही है। हमारे विश्वासी डेरेन सादा की विवाह कार्यक्रम बहुत ही आशीषमय रहा। जेरवा गाँव के पप्पू और उसकी माँ को परमेश्वर ने उस समय खतरे से बचाया लिया जब वे रविवार की सेवा में शामिल होने के लिए जाते समय दुर्घटना का शिकार हो गए थे। लालपुर गाँव का विश्वासी पुलु सादा और उनकी पत्नी जो विश्वास से भटक गए थे अब अपने विश्वास में वापस आ गए हैं और आराधना सेवा में भाग ले रहे हैं। हमारे संपर्क में नए आए हरियरा गाँव के लोगों के लिए परमेश्वर को धन्यचाद दें जो पिछले महीने अपनी गाय खोने के साथ–साथ एक दुर्घटना का शिकार होने के बावजूद भी वे लगातार गृह आराधनामें शामिल हो रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बरन साड़ा परिवार के सदस्य कुष्ठ रोग से पूरी तरह ठीक हो जाएँ। बाबुवन गाँव के संभू और मुकेश के लिए प्रार्थना करें जिन्हें सुसमचार सुनाया गया है वे प्रभु यीशु को अपने उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करें। कठिया और बेला गाँवों में सुसमाचार प्रचार के लिए द्वार खुले। अरराहा गाँव की संथी को कुष्ठ रोग से, लालपुर गाँव की बोलीदेवी को कैंसर से और बाबूलाल को पेट के ट्यूमर से चंगाई मिले। परमेश्वर हमारे विश्वासी राजेश और हीरालाल परिवारों की पैतृक संपत्ति को पुनः प्राप्त करने के रास्ते खोलें, जिस पर अब कुछ उच्च जाति के लोगों द्वारा दावा किया जा रहा है। उनके पास कोई दूसरी जमीन नहीं है और वे पीढ़ियों से इसी जमीन पर रह रहे हैं। प्रवासी विश्वासियों के लिए प्रार्थना करे कि उन्हें अच्छी संगति प्राप्त हो और स्वयं को सभी बुराईयों से दूर रखें। दयानंद को टीबी से, वासुदेव की बहू को त्वचा की एलर्जी से, रामबत्ती को हृदय रोग से, बीबा कुमारी को बुरी आत्मा के भय से और राजेश को रीढ़ की हड्डी की समस्या से चंगाई मिले।

विश्वासयोग्य प्रार्थना

आंध्र प्रदेश के धमलाचेरुवु जिले के नेल्लीमंधपल्ली गाँव में सुब्रमणि नाम का एक विश्वासी रहता है। हमारे नए संपर्क में आए सुब्रमणि को एक संकटपूर्ण स्थिति का सामना करना पड़ा जब उनकी गर्भवती गाय बीमार पड़ गई और उसने खाना बंद कर दिया। वह मिशनरी के पास पहुँचा और फोन पर अपनी बीमार गाय के लिए प्रार्थना का अनुरोध किया। मिशनरी ने फोन पर प्रार्थना की और सुब्रमणि ने मिशनरी के मार्गदर्शन का पालन किया, उसने भी प्रार्थना की और अपनी गाय को पवित्र जल पिलाया। चमत्कारिक ढंग से, गाय चंगी हो गई और बाद में एक स्वस्थ बछड़े को जन्म दिया। परमेश्वर की स्तुति हो !

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती झाँसी राजेंद्रन, श्री थॉमस मैथ्यू
श्री बाबू पुष्पराज डी., श्रीमती डॉ. विलसेट क्रिस एल.
श्रीमती शांती ज्ञानापंडीतान
श्रीमती सेल्वरानी बरनिधरन
श्रीमती लक्ष्मी वेदियप्पन
श्री बीजू लाल, श्री भागीरथी बिसोई
श्री गिम्मल दिलीपभाई रघुभाई
श्री सुरेश मालतो एस., श्री देबाशीष हेम्ब्रोम
श्री अजय बार्डे, सुश्री मेलिटक

झारखंड

राजमहल क्षेत्र :

अल्बर्ट प्रभाकरन एवं मुरुगमल एस्तेर

स्तुति : 24 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 48 गाँवों में यीशु मसीह का फिल्म प्रदर्शित की गई। 43 लोगों ने यीशु को अपना निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। 24 गाँवों में विश्वासियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। 13 गाँवों में महिलाओं और कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण सभा और बाइबिल अध्ययन समूह आयोजित किए गए। अमलागाछी क्षेत्र की 12 वर्षीय शांति मालतो को राक्षस दुष्टात्मा के बन्धन से छुटकारा मिली जिसके माध्यम से उनके बच्चों ने प्रभु को ग्रहण किया। वी.बी.एस. के माध्यम से 25 बच्चों ने पहली बार सुसमाचार सुना।

प्रार्थना : कोडिगोड्डा गाँव के कई तांत्रिक विश्वासियों के लिए एक बड़ी बाधा हैं; कृप्या उनें पश्चाताप के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि रूथ मामतो को हाई शुगर लेबल से चंगाई मिले। तांत्रिक भरत यादव, लीलावती देवी, बुकली देवी और कुम्भराही के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को ग्रहण करें। जमालपुर गाँव के विमलपाड़ा सीढ़ी से गिरने के कारण लगी चोटों से चंगाई पाए। रीना, मंजू, नैना, रानी और बॉबी देओल को योग्य जीवन साथी प्राप्त हो। उराँव जनजाति से आने वाले सुरेश, रामकृष्णन, महादेश, रामपाल, किसुन, कल्लू, ओखिल प्रसाद, कैली देवी, राजी के पश्चाताप के लिए मुनिराम धनेश्वर, सहाय, कुइयां, आशा देवी और मांडू प्रसाद के लिए प्रार्थना करें जो सुसमाचार का विरोध कर रहे हैं।

पथरगामा : कृष्ण कुमार एवं शांतिलाल

स्तुति : 14 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह को अपना निजी उद्धारकर्ता स्वीकार किया। दूर में रहने वाले खेराबांध, जबरदह, भालकी, बाघमारा और डुमरजोर गाँवों के उन विश्वासियों के लिए रात्रि बैठकें आयोजित की गईं। 5 नये लोगों ने पहली बार सुसमाचार सुना। 3 दिन की उपवास प्रार्थना संचालित की गई और इसमें 12 नए लोग भी शामिल हुए। प्रार्थना के माध्यम से रोहन रवि को शराब की लत से मुक्ति मिली। भालकी के सोनू कुमार महतो और पिपरा के पंकज रवि दास को सुयोग्य जीवन साथी का आशीर्वाद मिला। बरहरवा के खाड़ी सामुदायिक महाविद्यालय में बाल सेवा हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया और इसके द्वारा 7 सदस्यों को आशीर्वाद मिला।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सलोमीको लिम्फोडिनोपैथी (लिम्फ नोड्स की सूजन) से, राहुल नामक एक युवक को जननांग हर्निया रोग से चंगाई मिले। रामेश्वर मेहता की पत्नी, हेमलता देवी के पति और जीया देवी के पति के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। परमेश्वर के कार्य में विघ्न डालने परमेश्वर के कार्य का विरोध करने वाले लोगों के हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें। शिव रवि दास के लिए प्रार्थना करें कि वह शराब की लत सं छुटकारा पाए और प्रभु यीशु को स्वीकार करे।

जन्मदिन मुबारक

श्री विल्सन डी., श्री एबेनेजर जी. सैम
श्रीमती स्निग्धा एम. देवी जीवन रंजन
श्रीमती क्रिस्टी जयंती –सतीश कुमार

माण्ड्रो : हिजाम कैनेडी सिंह एवं लिनथोइबी चानू

स्तुति : तेरह लोगों ने यीशु मसीह को अपना प्रभु मानकर उस पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। हमारे विश्वासी प्रभु के दान देकर हमारे सभी प्रचारकों का भत्ता वहन कर रहे हैं। 80 लोगों ने 2 दिवसीय क्षेत्र स्तरीय उपवास प्रार्थना में भाग लिया और आशीषित हुए। हम पिछले वित्तीय वर्ष में छोटे समूह शिविर, महाउपवासकाल की प्रार्थना, उपवास प्रार्थना और घर का दौरा जैसे सभी नियोजित कार्यक्रमों को संचालित करने में सक्षम हुए। माघी और बालाजोर में चर्च का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती में सुसमाचार प्रचार करने के लिए द्वार खुले। प्रचारक इमैनुएल मालतो की पत्नी सुशीला मालतो को परमेश्वर किडनी की समस्या से, मार्कस हेम्ब्रोम की पत्नी, संजला हंसदक को शुगर की समस्या से, लाल किशोर मरया को टीबी से, सिलबानुस मरांडी, अजित हसदक और मार्टिन टुडू को पक्षाघात से और मेरी हांसदा को कैंसर से चंगाई प्रदान करे। सुसमाचार का विरोध कर रहे बाबूराम हांसदा और बोनीफास किस्कू के लिए प्राथ्रना करें कि वे ईसा मसीह को जानें। प्रार्थना करें कि विश्वासियों की सक्रिय भागीदारी से माघी और बालाजोर मण्डली का चर्च निर्माण कार्य समय पर पूरा हो।

लालमटिया :

अमारेद्रन एवं गौरम्मा

स्तुति : 6 लोगों ने प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया। कोमोल्डोरी, मोहबथान, महासोल और महादेवबथान गाँवों में लोग सुसमाचार के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दे रहे हैं। परमेश्वर ने हमारे विश्वासियों की प्रार्थना के उत्तर में राजबंद गाँव की एक अविश्वासी मंझली को पेट की सूजन सं चंगाई दी। चित्रकुट्टी गाँव की सुहागिनी को स्त्री रोग संबंधी समस्या से चंगाई मिली और कोयला खदानों में काम करने के दौरान हुए चोट से बिनोस मोहली की रक्षा करने और साथ ही उसके घावों को भरने में परमेश्वर ने मदद की।

प्रार्थना : आर्थिक रूप से बहुत ही गरीब कोमोलधोरी गाँव की एलिजाबेथ मुर्मू की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो क्षय रोग से पीड़ित है। धालधाली गाँव की मीना हेम्ब्रोम को एक अजीब बीमारी सं चंगाई मिले। हतबंधा गाँव के जोहन मिर्धा को गला खोलकर बोलने में प्रभु उनकी सहायता करे। गोराड़ी गाँव के हसन टुडु कोलकवा से, कोमलधोरी गाँव का बाबूलाल बास्की को उनकी मानसिक बीमारी से चंगाई मिले। सुसमाचार का विरोध कर रहे रामचंदन मड़ैया के लिए प्रार्थना करें कि वह मसीह को जाने। मुर्गा गाँव के सैम टूडु को लकवे से चंगाई मिले। चटोमपुर गाँव के प्रधान मरांडी को जो फ्रैक्चर के कारण चलनमें असमर्थ है पुनः चलने में समर्थ हो। बालकोमी गाँव का शिवलाल हेम्ब्रोम को गुर्दे की समस्या से चंगाई मिले क्योंकि उसका पेट सूजन हो गया है।

जन्मदिन मुबारक

श्री असीर टी. वाई. पी.
श्रीमती उल्घल मैगी एस्तेर थॉमस एस.के.
वसंती जेबाकुमार
श्रीमती ज्ञाना जेबा शीला डैनियल अरुलमनी
श्री मुधावथु राजू नायक

तिनपहाड़ :

नहेमयाह एवं अनामिका पेगु

स्तुति : सेवकाई में मदद के लिए राखी लकड़ा ने हाल ही में अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। कलवाटोला मण्डली की युवा लड़की जूली मुंडा आराधना और प्रार्थना में नेतृत्व करने के साथ–साथ वह विश्वासियों को हिंदी पढ़ना भी सिखाती हैं। चार लोगों ने प्रभु यीशु मसीह में अपना विश्वास का अंगीकार किया और उन्हें चर्च में स्वीकार किया गया। अपनी मंडलियों में साक्षरता कार्यक्रम शुरू कर दी गई है।

प्रार्थना : हमारी विश्वासिनी बुधनी बाड़ा को दुष्टात्माओं के बन्धन से छुटकारा मिले और महेदीडोंगा गाँव की मिनोती को अस्थमा से चंगाई मिले। झरना टोला गाँव मण्डली के लिए चर्च के अगुवों के रूप में सही व्यक्तियों का चुनाव होने के लिए परमेश्वर का मार्गदर्शन हेतु प्रार्थना करें। नए विश्वासी टेरेसा कुजूर, मनु कुजूर, आशिक कुजूर और लासा कुजूर के लिए प्रार्थना करें कि वे मसीह में आगे बढ़ें। जो श्रद्धालु साक्षरता प्रशिक्षण में भाग लेते हैं वे धर्मग्रंथ को अच्छी तरह से समझें और प्रभु में मजबूत हों।

बेतेल बाल छात्रावास, कैराबनी :

मनोज कुमार पानी एवं संथानी पानी

स्तुति : अभिभावकों की सभा में हमारे बच्चों के 120 अभिभावकों ने भाग लिया और आशीषित हुए। वरिष्ठ बाल परामर्श सभा में 8 बच्चों ने भाग लिया। हमारे बच्चों को विद्युत कनेक्शन बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के परिणामस्वरूप उन्होंने विद्युत तार बनाना सीखा।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जो बच्चे 10वीं बोके लिए दाखिला लें सकें। 8वीं और 9वीं कक्षा के बच्चे परिक्षा में सभी विषयों में उत्तीर्ण हों और अगली कक्षाओं में प्रवेश कर सकें। प्रार्थना करें कि बच्चे छात्रावास में जो कुछ उन्होंने सीखा है, उसके परिणामस्वरूप वे अपने माता–पिता के साथ अपने गाँव में गर्मी की छुट्टियों के दौरान एक साक्षी का जीवन जी सकें।

संताल दुमका क्षेत्र :

कुमरावेल एवं मरियाल

स्तुति : पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान 1426 व्यक्तियों तक ईसा मसीह के उद्धारकारी सुसामचार के ज्ञान को सुनने पाए। सभी क्षेत्रों में विश्वासियों का सम्मेलन आयोजित किया गया। चर्च के प्राचीनों का प्रशिक्षण, वयस्क साक्षरता कार्यक्रम शुरू किए गए और बिना किसी रुकावट के नियमित रूप से चल रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि नल्ला और हंसडिगा में विरोध कम हो। कलीसिया के अगुवे अन्य विश्वासियों के साथ काम करने के लिए दूसरे राज्यों में चले गए हैं, इसलिए चर्च को मण्डली का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध अगुवों की आवश्यकता है। प्रार्थना करें कि लोगों तक पहुँचने के लिए अपनाई गई नई रणनीतियों को प्रभु सफल करे। मिशनरियों और स्थानीय प्रचारकों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती राजम्मल जॉनसन
श्रीमती एलिजाबेथ सोलोमन ज्ञानाशेखर
सुश्री कोंकणी चंद्रिकाबेन छगनभाई
श्री स्टीफन आर., श्रीमती पोर्सेलवी फेलिक्स गमालिएल
श्रीमती ऋतांजलि कराड़ा हम्मूएल लिम्मा
श्री मुथु कुमार एम., श्री. गवित राकेश रतिलाल
श्रीमती शीबा वेंकटेश वाडर
श्रीमती झाँसी रानी युवनेश
श्रीमती चिंग खान मावी थांगवंसांग

संथाल परगना बाल सेवा : हेनरी एवं ब्यूला

स्तुति : छात्रावासों अधिक्षकों के लिए आध्यात्मिक सभा का आयोजन किया गया। परगना, दुमका और चंदना छात्रावास में बच्चों के लिए चिल्ड्रन रिट्रीट का आयोजन किया गया। दिन में पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित की गई।

प्रार्थना : सभी बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करें और अच्छी नौकरियों में प्रवेश करें। प्रार्थना करें कि छुट्टियों के दौरान अभिभावकगण अपने बच्चों के आत्मिक जीवन पर ध्यान दें ताकि बच्चे अपने पैतृक गाँवों में साक्षी का जीवन जीएँ।

पलामू : बरनबास एवं ब्यूला; बिपिन बिहारी एवं झरना परिछा

असमदगा, दुबलगंज और तुलसीधामर गाँवों के 10 लोगों ने प्रभु को ग्रहण स्वीकार किया। कुमरगी गाँव में आयोजित वीबीएस कार्यक्रम में 30 बच्चों ने आनन्द के साथ भाग लिया। प्रभु ने इस क्षेत्र के सभी विश्वासियों को गुड फ्राइडे और पुनरुत्थान दिवस की आराधना सेवा के लिए अलगर गाँव में इकट्ठा होने में सक्षम बनाया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि अल्गार गाँव में एक चर्च का निर्माण हो सके जहाँ 50 विश्वासी नियमित रूप से आराधना के लिए एकत्र होते हैं। हमारे उपेंन्द्र काशी और रामनिवास के लिए प्रार्थना करें कि वे 3भु में मजबूत हों। सर्टिफिकेट में गड़बड़ी के कारण नौकरी से वांछित तुलसीधामर गाँव के जीवन कुमार के लिए प्रार्थना करें कि उसको फिर से नौकरी मिले। लकवाहड़ी गाँव के विश्वासियों कें लिए प्रार्थन करें कि वे विश्वास में आगे बढ़ें। राम प्रेमास को शराब की लत से मुक्ति मिले।

विश्वास के लाभ

''खंडवा में निरमा नाम की एक 15 वर्षीय लड़की है जो एक वफादार प्रार्थना योद्धा और प्रभु का एक गवाह के रूप में रहती है। अचानक उसकी दूधारू भैंस बीमार पड़ गई जो उसके परिवार की आजीविका थी, और उठ नहीं पाई। इसके अतिरिक्त, भैंस गर्भावस्था के अंतिम चरण में थी, ठीक से नहीं खा पा रही थी। पशुचिकित्सक के आशा छोड़ने के बावजूद, निरमा ने भैंस को लगन से तेल लगाया और प्रतिदिन उस भैंस के लिए प्रार्थना की और प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप परमेश्वर ने भैंस को चंगाई दी और उसने दो स्वस्थ बछड़ों को जन्म दिया!''

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जैन्सी बालाजी जी.
श्री हेमन्त कुमार सबर

पश्चिम बंगाल

इटाहार :

अस्ताबन आदित्य कुमार
लिम्मा एवं और मानिनी

स्तुति : बाराबिथा, अलुवाडांगी और जाहल गाँवों के 11 लोगों ने ईसा मसीह का प्रभुत्व को स्वीकार किया। बसाहर से 25 युवाओं और सोनाडांगी से 12 वयस्कों ने वयस्क साक्षरता प्रशिक्षण में भाग लिया। हमारे क्षेत्र के 150 विश्वासियों ने क्षेत्रीय विश्वासियों के सम्मेलन में भाग लिया और 400 किलोग्राम गोभी, 40 किलोग्राम मुरमुरे, 5 किलोग्राम चीनी और 10 लीटर तेल का योगदान दिया और आशीसित हुए। नया विश्वासी सपन बास्की को एक बड़ा ट्रक खरीदने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसने क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेकर 6000 रुपये दान देने के अलावा वह हमारे विश्वासियों को अपने वाहन से बिना किसी शुल्क के सम्मेलन में ले गये। हमारी प्रार्थनाएँ सुनकर परमेश्वर ने उन लोगों के हृदय बदल दिए जिन्होंने हमारे विश्वासियों का विरोध किया और उन्हें बनबोल में आराधना न करने की धमकी दी थी। अब आराधना विनती बिना किसी व्यवधान के चल रही है।

प्रार्थना : अलुवाडांगी गाँव की हमारी नई विश्वासिनी मकुलु मार्डी के सांत्वाना और विश्वास में मजबूत होने के लिए प्रार्थना करें जिसके पति की मृत्यु हाल ही में हुई। एंजेल हंसदक और रांटा मुर्मू के सुरक्षित प्रसव तथा तालामई बेसरा, सोजोनी मुर्मू और राफेल टुडू की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जो मानसिक विकार से प्रभावित है और घर में नहीं रहते हैं। हमारे प्रचारक सुजान हेम्ब्रोम, अलवाडांगी गाँव के अनिल मुर्मू और सोनाली मुर्मू परिवार को संतान सुख प्राप्त हो। प्रार्थना करें कि हमारे घर मालिक कंदना किस्कू और संचिता हेम्ब्रोम यीशु मसीह के शिष्य बनें जिन्होंने सुसामचार प्राप्त किया है और बाईबल पढ़ रहे हैं।

परमेश्वर रक्षक

आंध्र प्रदेश के धमालाचेरुवु जिले के जोगीवारीपाली में मारियाम्मल नाम का एक विश्वासिनी रहती है। उन्होंने अपने अविश्वासी पति सुब्रमणि के लिए मध्यस्थता की प्रार्थना करने के लिए अपनेघर में प्रार्थना सभा का आयोजन किया। प्रार्थना सभा के दौरान, सुब्रमणि ने मूंगफली को जंगली सूअरों से बचाने के लिए पहाड़ियों के पास स्थित अपने खेत में जाने का इरादा व्यक्त किया। मिशनरी ने उसे सलाह दी कि यदि वह पूरी तरह से प्रार्थना सभा में भाग लेता है, तो परमेश्वर उसके खेत को जंगली सूअरों से बचाएगा। प्रार्थना सभा के बाद, सुब्रमणि ने मिशनरी से आशीषित जल एकत्र किया और इसे अपने मूंगफली के खेत में छिड़का दिया। पड़ोसी खेतों को जंगली सूअरों द्वारा तबाह किए जाने के बावजूद, परमेश्वर ने सुब्रमणि के खेत की रक्षा की। इस चमत्कारी हस्तक्षेप ने सुब्रमणि को सुसमाचार में रुचि लेने के लिए प्रेरित किया और उन्होंने दान के रूप में मूंगफली दी।

जन्मदिन मुबारक

श्री स्टैनली जॉर्ज
श्रीमती एस्तेर एसाकियाह
श्रीमती ज्ञानलीन सेल्वा विजिला सुंदरसिंह
श्री मिर्ज्यो किस्कू , श्री. एलंगोवन एस.
श्री एडवर्ड राजादुरई आर.

बालुरघाट :

किंग्सली लिविंगस्टन आर एवं डेल्फिन; रंजन खासला

स्तुति : ईश्वर की कृपा से 7 गाँवों के 700 लोगों को सुसमाचार साझा सुनाया गया और 40 घरों में रात्रि सभाएं आयोजित की गईं तथा 5 स्थानों पर फिल्म कार्यक्रम आयोजित किए गए। 500 लोगों ने खुशी से सुसमाचार ट्रैक्ट प्राप्त किये। बेलैन गाँव के सांतोस हांसदा परिवार को जो दुष्टात्माओं के कारण हमेश बीमार रहता था चंगाई मिली। बोनहाट गाँव के अमोस किस्कू के बच्चे को हमारी प्रार्थनाओं के परिणामस्वरूप निमोनिया से चंगाई मिली।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि सर्वशक्तिमान परमेश्वर के प्रेम को समझने के लिए सैटेल गाँव के लोगों के मन और दिमाग को खोले। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने 13 मार्च को हमें रोका और धमकी दी कि हम दोबारा इस गाँव में सुसमाचार सुनाने के लिए न आएँ। दलबू हसदा, सुदेव हसदा, मिकेल किस्कू, रामजीत मुर्मू, और संतोष मुर्मू परिवार जो प्रभु के प्रभावी गवाह बनने के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं। मिकेल किस्कू को मानसिक विकार से, स्वप्ना मुर्मू को तंत्रिका सम्बन्धी गंभीर समस्या से, कविता मुर्मू और बबलू हंसदा को उच्च रक्तचाप सं और कोमल टुडू को हड्डियों के जोड़ों के दर्द से चंगाई मिले। जो विश्वासी सांसारिक सुखों के आदी हैं, उनके उद्धार और पवित्र जीवन जीने के प्रार्थना करें।

मालदा :

उदीप्ता कुमार बाग एवं सुर्याकांति

स्तुति : जब सप्त्री बहारी ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह बीमारी से चंगाई मिली और अपनी उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कॉलेज में दाखिला ली। कई नए लोग प्रार्थना की आवश्यकता के कारण लगातार जादागुंडी में कलीसियाई आराधना में भाग लेते हैं। परमेश्वर चर्च के अगुवों और स्थानीय प्रचारकों को शक्तिशाली ढंग से इस्तेमाल कर रहा है।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर गोलपारा जन सुमह के बीच सुसमाचार के लिए द्वार खोले। प्रार्थना करें किविश्वासियों के बच्चे शिक्षा में रुचि दिखाएँ और उच्च अध्ययन में शामिल होने पाए। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे आध्यात्मिक रूप से विकसित हों और सुसमाचार को अपने लोगों तक फैलाएँ।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती विजयारानी एल्बिन टी.

तपन :

हारामोहन एवं सुसामा

स्तुति : निर्मला के पेट से सर्जरी के माध्यम से एक बड़ा सिस्ट निकाला गया। सरकार की ओर से नागदागर चर्च में दो बाथरूम और शौचालय बनाए गए हैं। बकलीसिया का प्राचीन नोयन सिंह की पत्नी वैवाहिक जीवन के 7 वर्षों के बाद गर्भधारण कीं। नेथुलमेड़ा के सभी विश्वासियों ने 24 घंटे की प्रार्थना में भाग लिया।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि निगमा और महिंद्रा गाँवों में चर्च बनाने के लिए जमीन खरीदी जा सके। प्रार्थना करें कि पासबाड़ा में चर्च के अगुवे द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर जल्द ही एक चर्च का निर्माण किया जा सके। परिमल मुर्मू, गोपाल मार्डी, कोबासे किस्कू और मैराम हांसदा के उद्धार के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि युवा विश्वासीगण उत्साहपूर्वक कलीसियाई आराधना में भाग लें और आउटरीच सेवकाई में सहायता करे। प्रार्थना करें कि चर्च के अगुवे चर्च की गतिविधियों को अधिक महत्व दें। विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे जल्द ही बाइबल पढ़ना सीख सकें। परमेश्वर शर्मिला किस्कू को दाहिना हाथ और पैर की कमजोरी से चंगाई प्रदान करे। पिस्सू मरांडी को मानसिक बीमारी से चंगाई मिले।

पाकुआहाट : **रामकृष्ण एवं अंजलि देवी**

स्तुति : 12 व्यक्तियों ने यीशु को अपने जीवन का प्रभु स्वीकार किया। नीमडांगा गाँव में एक नया आराधना समूह शुरू किया गया है। 10 गाँवों में आउटरीच सेवकाई का कार्य किया गयाा जिसके माध्यम से 700 लोगों तक सुसमाचार पहुँचाया गया। एक उराँव परिवार ने प्रभु को स्वीकार किया। इस क्षेत्र में युवा सम्मेलन आयोजित की गई और इसमें भाग लेने वालों को आशीष मिली।

प्रार्थना : चर्च के प्राचीन सुंगु टुडू, राम सोरेन, सबेल हेम्ब्रोम और वकील हेम्ब्रोम के लिए प्रार्थना करें कि वे सुचारू रूप से अपनी अपनी मंडली का नेतृत्व कर सकें। प्रार्थना करें कि अविनाश मुर्मू, मिथुन मुर्मू और श्रीनाथ मुर्मू के सार्वजनिक रूप से अपनी विश्वास को स्वीकार करने में आ रही बाधाएँ दूर हों। स्थानीय प्रचारक सुरजीत को उनकी बीमारी से शीघ्र चंगाई मिले और सेवकाई में पूरी तरह से शामिल होने पाए।

छत्तीसगढ़

चंपा : **विनोद कुमार सिंह एवं प्रावती**

स्तुति : 1000 घंटे की प्रार्थना में भाग लेने वाले सभी लोग अपने पारिवारिक जीवन में स्पष्ट परिवर्तन देख पा रहे हैं। एक दुर्घटना में घायल लाल राम को परमेश्वर ने चंगाई दी। पिछले 5 वर्षों से मानसिक रूप से बीमार बिद्या की बहन को परमेश्वर ने प्रार्थना के उत्तर में चंगाई प्रदान की।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि परमेश्वर बाली राम को चमत्कारिक रूप से चंगाई प्रदान करे जिसकी दोनों किडनियाँ काम करना बंद कर चुकी हैं और परिणामस्वरूप पूरा शरीर में सूजन आ गया है। अरबिंद लाहौर और लेवे को शराब की लत से छुटकारा मिले। रत्नाकर का पति उसे चर्च सेवा में भाग लेने से रोकता है; प्रार्थना करें कि परमेश्वर उसके मन को बदल दे और रत्नाकर को पीसीओडी की समस्या सं चंगाई मिले।

उपवास
प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्री जेयाशेखर पी.टी
श्री सुनील दाता कारा
श्री बिपिन बिहारी प्रधान

ओड़िशा

जशीपुर :

सैमुअल जे. एवंहविला

स्तुति : 36 व्यक्तियों ने यीशु को अपने निजी उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया। परमेश्वर ने बाजार से लौट रहे कुछ विश्वासियों के जीवन को सड़क पर खड़ा एक बाघ से बचाया। प्रूडी मण्डली के एक विश्वासी जो तमिलनाडु चला गा था जब वे घर लौटा तो उसके सारे मवेशी गायब थे परन्तु जब उसने अपने परिवार के साथ प्रार्थना की तो उनके सभी मवेशी घर वापस लौट आये।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि डुकुरगोथा और सांथिकम्मान गाँवों में हो रहे सुसमाचार का विरोध कम हो जाए और इन गाँव के नए विश्वासियों को साहस मिले। प्रुडी और कुलियादुरई गाँवों में शराब के आदी लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे छुटकारा पाएँ। सिमिलिपाल गाँव के 10 मवेशियों को बाघ ने मार डाला है, जिनमें से 3 हमारे विश्वासी के थे; प्रार्थना करें किपरमेश्वर इन बाघों से मिशनरियों, विश्वासियों और स्थानीय प्रचारकों की रक्षा करे।

जंबानी :

एप्रैम माली एवं
प्रोसोनसिता माली

स्तुति : 3 जगहों पर नए सिरे से आराधना शुरू की गई है। कंगन और पटसोला गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया। दो स्थानों पर फसल उत्सव और चार स्थानों पर सतसंग सभा संचालित की गई।

प्रार्थना : थारपो बांगी और सारथी हेम्ब्रोम के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु अपने उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार करें। रामनगर में एक जमीन को लेकर हुए विवाद दूर होने और ईसाइयों का विरोध करने वालों का हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करें। कुमारन बांगी के लिए प्रार्थना करें कि वह साहसपूर्वक परमेश्वर पर अपने विश्वास का अंगीकार करे और प्रभु में मजबूत हो।

रायरंगपुर :

कुना चंद्रा पाइक एवं
कृतांजलि पाइक

स्तुति : 3 नए परिवारों के लिए जो आराधना सेवा में शामिल हो रहे हैं। 400 विश्वासियों के लिए आयोजित की गई विशेष मेला एक आशीर्वाद का कारण रहा। 5 लोगों ने परमेश्वर पर अपने विश्वास का अंगीकार किया।

प्रार्थना : आराधना में भाग ले रहे उन सभी लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु को अपने जीवन का प्रभु के रूप में स्वीकार करें। सुसामचार को विरोध करने वाले गुंडुरिया, पाटकासाकी, कालीमट्टी और रुतसाकी के लोगों के लिए कि यीशु मसीह का शिष्य बनें ताकि विश्वासियों और अविश्वासियों के बीच विवाद सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त हो सके। उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से यीशु पर अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए तैयार हो रहे हैं ताकि वे साहसपूर्वक प्रभु को ग्रहण कर सकें। संग्राम, कैलाश और आनंद बैरू के लिए प्रार्थना करें उन्हें संतान सुख की प्राप्ति हो।

जन्मदिन मुबारक

श्री कन्नुसामी थॉमस
श्री विजय बाबू एस.
श्री गोपीकृष्णन एम.

डेंकनाल : अशोक नायक एवं सुरभि नायक

स्तुति : 17 व्यक्तियों ने यीशु को अपने जीवन का प्रभु स्वीकार किया है। महासभा कार्यक्रम सफलतापुर्व आयोजित किया गया और आशीषमय रहा। उन दोनों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने बाइबल प्राप्त की, वे यीशु के प्रेम से प्रभावित हों।

प्रार्थना : रघुबेला चर्च में नए आ रहे एक परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु पर अपने विश्वास का अंगीकार करें। कबूल करने के लिए पसाईपेटो और रघुबेला गाँव में अराधना संचालन करने के लिए एक अच्छी जगह मिलने के लिए प्रार्थना करें। इस क्षेत्र में एक और मिशनरी की बहुत आवश्यकता ह कृप्या इसकके लिए प्रार्थना करे। प्रार्थना करें कि परमेश्वर मिशनरियों और स्थानीय प्रचारकों को गर्मी से बचाए।

गुजरात

कोरम्बा : आर. पुष्पराज एवं ज्योति निर्मला

स्तुति : जिन लोगों ने खुशी से 13 ट्रैक्ट और 3 नए नियम प्राप्त किए, 14 लोगों ने सुसमाचार संदेश प्राप्त किए। उमरकच्छ गाँव में विश्वासियों के लिए नियमित रात्रि आराधना शुरू की गयी है। किमडुंगरा, कास्वाव और राघीपुर चर्च में 4 नए व्यक्ति रविवारीय आराधना में भाग ले रहे हैं। उन महिलाओं के लिए जिन्होंने नेत्रंग महिला सभा में ''खुशहाल घर'' का नेतृत्व करने का संकल्प लिया। 67 युवाओं ने नेतरंग में आयोजित वी.बी.एस. निदेशक प्रशिक्षण में भाग लिया।

प्रार्थना : गर्भाशय में कैंसर से पीड़ित कोरंबा गाँव की रमिलाबेन की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। राघीपुरा गाँव की नीताबेन को गुर्दे की पथरी की समस्या और गंभीर पेट दर्द से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें। गैंडोली गाँव के कच्छी फलिया परिवार के लिए प्रार्थना करें कि वे विश्वास में वापस आएँ। रागीपवा गाँव की विनेशबाई को शराब पीने की लत से छुटकारा मिले और परमेश्वर से नाता जोड़े।

रासायनिक उर्वरक बनाम पवित्र (प्रार्थना) जल

जगनाथपुर में रोशन नाम का एक किसान रहता है, जिसने टमाटर की खेती करने के लिए काफी पैसा लगाया था। यद्यपि फूल आने के दौरान उनके पौधे सूखने लगे और फूल मुरझाने लगे। विभिन्न उर्वरकों के प्रयोग के बावजूद फसलों के स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। अंततः रोशन ने अपने तरीकों को त्याग दिया और प्रार्थना करने का फैसला किया, जिसके बाद उसने पूरे खेत में पवित्र जल का छिड़काव किया। चमत्कारिक ढंग से, फसलें पुनर्जीवित हो गईं और पहले से कहीं अधिक उपज देने लगीं। प्रभु की स्तुति!

जन्मदिन मुबारक

श्री वेदामनिकम अप्पादुरै एन.

सूरत : माधवरॉय (सेवानिवृत्त) एवं जेबातंगम

स्तुति : 50 नए लोगों ने सुसमाचार सुना। विश्वास से भटकी प्रियंकाबेन विश्वास में वापस आईं। परमेश्वर ने विपीनभाई को नौकरी और किराए का घर पाने में सक्षम बनाया। शोभा के बेटे को पेट की समस्या से, राजंतीबेन को पूरे चंगाई मिली।

प्रार्थना : शराब के आदी राजूभाई के परिवार के उद्धार और शांति के लिए प्रार्थना करे जिसने अपनी पत्नी को पीटा और उसे अपनी बेटी के साथ अपने मूल स्थान पर बिना भोजन के भूखा रहने के लिए छोड़ दिया और अपने बेटे को भी पीटा जो उसके साथ सूरत में रहता है। प्रार्थना करें कि निशा बहन को एक बच्चे का आशीर्वाद मिले क्योंकि उसका पति सुजीतभाई, जो शराब का आदी है, बच्चा न होने के कारण उसे बुरी तरह पीटता है। शराब का आदी है, पुष्पाबेन के पति के उद्धार के लिए प्रार्थना करें जो उसके बेटों को पीटता है। पाँच साल की बच्ची स्वीटी को गूंगेपन से, रोसानी को मानसिक समस्या से, प्रीतिबेन को बवासीर की समस्या से, कुशी को थायराइड से, प्रियंकाबेन को डिप्रेशन से ठीक करने के लिए।चंगाई मिले। समीरभाई को शराब की लत और बुरी संगति से छुटकारा मिले ताकि वह काम कर सके और परिवार की जरूरतों को पूरी कर सके।

बीनाबेन और इलेशभाई के लिए एक उपयुक्त जीवन साथी प्राप्त हो। गौरवभाई को एक अच्छी नौकरी मिले क्योंकि उसे वर्तमान काम में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

मोसड़ा : पॉल राज आर एवं कोइल पुष्पम एल.

स्तुति : निवेल्डा चर्च के अगुवे चुन्नीलाल भाई को 6 माह से हो रही गले का दर्द से प्रार्थना के माध्यम से ठीक हुआ। दिलीप हमारी प्रार्थनाओं के माध्यम से दौरे से ठीक होने का अनुभव करने के बाद भाई ने अपने परिवार के साथ सार्वजनिक रूप से प्रभु में अपना विश्वास का अंगीकार किया। जन्म से बीमार 10 महीने के बच्चे विकांशी को प्रार्थना के द्वरा चंगाई मिली। डबका गाँव के विश्वासी जेट्टूबेन के भाई को हमारी प्रार्थना के परिणामस्वरूप जेल से रिहाई मिली जिन्हें गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया था और झूठे मामले में जेल में डाल दिया गया था। मगन भाई को पीलिया से और 18 महीने की बच्ची आस्था को निमोनिया से चंगाई मिले। फुलसर गाँव के अनिलभाई को हमारी प्रार्थनाओं के द्वारा शरीर की जलन और मानसिक परेशानी से राहत मिली।

प्रार्थना : दिलीप भाई और जोथिका बेन परिवार के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान की आशीष मिले। नटवर भाई के सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिनके 18 वर्षीय पुत्र निक्किल की मृत्यु हृदयघात के कारण हो गई। पुन्निया भाई परिवार की सांत्वना के लिए प्रार्थना करें जिनकी एकलैती बेटी जो लम्दे समय से बीमारी से जूझ रही थी 18 साल की उम्र में मृत्यु हो गई। सिशा गाँव की सुनीता बेन को मानसिक अशांति से और रमना बेन को दुष्टात्माओं की परेशानी से मुक्ति मिलने के लिए प्रार्थना करे।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती फ्रीडा बेबी एडवर्ड सैम
श्रीमती राजा रत्नम अब्राहम
श्रीमती क्रिस्टा रवि कुमार, श्री. किंस्ली ए. आर.
श्रीमती शायला कुप्पुस्वामी, श्री. जम्मिनलुन टी.
श्री विजय कुमार

झावड़ा – सेंट थॉमस इंग्लिश स्कूल एवं बाल भवन : हरिबाबू एवं पंकजम; ऑगस्टिन एवं जॉयस शोबाना; सतीश एवं क्रिस्टी जयंती; बीजू लाल एवं स्टेफी; डैनियल राजमणि एवं सोफिया; रूथ; मैना; अल्बर्ट संतोष राज

स्तुति : आगामी शैक्षणिक वर्ष के लिए बच्चों का चयन करने हेतु आयोजित साक्षात्कार में कई नए बच्चों ने भाग लिया। वैबावी का सफलतापूर्वक ऑपरेशन हुआ और वह फिर से स्कूल जाने लगी है। 8वीं कक्षा के विद्यार्थियों को सरकार द्वारा आयोजित एप्टीट्यूड टेस्ट में भाग लेने का अवसर मिला।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि जिन बच्चों ने बोर्ड परीक्षा दी है वे अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। उन छात्रों के लिए प्रार्थना करें जो NEET परीक्षा पास करने के लिए इसकी तैयारी कर रहे हैं। बच्चों के लिए खेल का मैदान बनाने के लिए स्कूल के पास की जमीन को लंबी अवधि के लिए पट्टे पर दिलवाया जाए।

भवनगर :

अखिलेश कुमार एवं किरण देवी

स्तुति : ओमप्रकाश, देवपाल और बलकेशभाई के लिए जिन्होंने ईसा मसीह में नए जीवन का अनुभव किया। पिछले दो वर्षों से पीड़ित ममताबेन को प्रार्थना के द्वारा शैतानी ताकतों के बंधन से मुक्ति मिली। त्रिलोकीभाई भारी चोट से चंगाई मिले जो एक जहाज यार्ड पर काम करते समय एक लोहे की प्लेट पैर में गिरने के कारण हुई थी। हमारी प्रार्थनाओं के द्वारा गुड़ियाबेन और अंसारीभाई को पीलिया से चंगाई मिली। लगातार प्रार्थना के माध्यम से सोनमबेन एक महीने पुरानी पेट दर्द से चंगाई मिली।

प्रार्थना : पिछले दो वर्षों से गुर्दे की पथरी से पीड़ित पारवड़ी गाँव की हिरकाबेन लालूभाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। अलंग गाँव के हीरालालभाई और पेरूभाई को शराब की लत से छुअकारा मिले। पिछले छह वर्षों से अपने पैरों पर खड़े होने में असमर्थ लीलाबाई को घुटने के दर्द से ठीक होने के लिए प्रार्थना करें। एक दुर्घटना का शिकार होने के कारण अस्पताल में भर्ती महेंद्रभाई की चंगाई के लिए प्रार्थना करें। हमारे संपर्क में आए नए मनीषभाई के लिए प्रार्थना करें कि वह बोर्ड परीक्षा सफलतापुर्व लिख सके और हीरा कंपनी में काम करते हुए अपनी पढ़ाई भी जारी रख सके। हमारी मिशनरी किरण देवी की चंगाई के लिए प्रार्थना करें जिनके कान का पर्दा क्षतिग्रस्त होने के कारण उनकी सर्जरी की गई थी।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती सिसिली ज्ञानम् राजकुमारी अरुमैनायगम
श्री बाबूराज के., श्रीमती माइकल जॉन सैमुअल
श्रीमती जेबाला विजयकुमार
श्रीमती हेपसी सेल्वम थवामनी
श्रीमती तुम्बाडा रसीलाबेन रामूभाई
श्री डेनियल राजमणि एस.

सहयात्री क्षेत्र :

विनू पी. एवं सुही मलर

स्तुति : 10 विभिन्न स्थानों पर आयोजित सेवा में 240 लोगों ने प्रभु में अपनी विश्वास व्यक्त की। 13 स्थानों पर युवा सभाएँ, 15 स्थानों पर महिला सभाएँ और 3 स्थानों पर उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं। थीसघाड़ी और वांचेतेमरून गाँवों में परमेश्वर की महिमा के लिए चर्च का संस्कार किया गया।

प्रार्थना : 17 नए स्थानों पर रात्रि प्रार्थना शुरू की गई है बिना किसी रूकावट के सुचारू रूप से चलने पाए। उन 5 नए परिवारों के लिए प्रार्थना करें जिन्होंने प्रभु को स्वीकार कर लिया है ताकि वे प्रभु में मजबूत हो सकें। खेरगम और रांधा छात्रावास के लिए प्रार्थना करें कि यहाँ के सारे कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके।

दादर नगर हवेली

रांधा बाल भवन : मार्कस मालतो एवं सारा मालतो; चंद्रिका बेन; आर. एंजेलराज

स्तुति : संडे स्कूल, प्रार्थना समूह का संचालन किया गया और सभी बच्चों को बाइबल की कहानियाँ पढ़ाई गईं। बाइबिल अध्ययन के अलावा युवाओं और बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान क्विज, बाइबिल क्विज और मेमोरी वर्सेज प्रतियोगिता आयोजित की गई। हम 44 वरिष्ठ बच्चों के साथ–साथ 30 छात्रों को अतिरिक्त ट्यूशन प्रदान कर रहे है जो अपनी पढ़ाई में कमजोर हैं। 10वीं कक्षा के आनंद भाई और दूसरी कक्षा के पुनित भाई को उनके हाथ के फ्रैक्चर से चंर्गा मिली और नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित हो रहे हैं।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि बादल भाई और श्रवण भाई को पिछले चार महीनों से हो रहे पीठ दर्द से चंगाई मिले। 10वीं और 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हों। प्रार्थना करें कि सभी बच्चे अपनी पढ़ाई सफलतापुर्व कर सकें। इस बाल सेवकाई में शामिल होने के लिए प्रतिबद्ध कर्मचारियों की आवश्यकता के लिए प्रार्थना करें।

सिलवासा : डेविडसन राजसिंह एवं कनमनी

स्तुति : 182 लोगों ने खानवेल, कोरीपाड़ा और अंतारपाड़ा क्षेत्रों में आयोजित सभाओं के दौरान सार्वजनिक रूप से प्रभु यीशु के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। पोप्पाड़ा गाँव के सुरेश बाबू जो 5 साल से मानसिक रूप से विकलांग थे, उपवास प्रार्थना के दौरान चंगाई प्राप्त किया। संगुबेन और जानकीबेन को सांप के काटने से और सविता को बिच्छू के डंक से चंगाई मिली। 4 गाँवों में उपवास प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं, इसके माध्यम से कई विश्वासीगण आशीषित हुए।

प्रार्थना : आगामी युवा रिट्रीट की सफलता के लिए प्रार्थना करें। अमिरधाबेन को लकवा से चंगाई मिले। पारुबेन को संतान की आशीष मिले। जकीबेन और भारतीबेन को विश्वासी जीवन साथी मिलने के लिए प्रार्थना करें। सिली गाँव में चर्च के अगुवों और युवाओं के बीच शांति बहाल होने के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्री साइरस सामुएल, श्री जोसेफ दुरईराज पी.
श्रीमती रिबेकाल ज्ञानम चार्ल्स चेल्लाकुमार
श्रीमती अरुलमेरी अनबैया, श्री यामुएल जेबाकुमार ए.
श्रीमती माया सुसन सुनील के मैथ्यू
श्री एलिशा डेम, श्री डेविड आर.

महाराष्ट्र

सुरगना :

टी. मयिलसामी एवं येसुमनी

स्तुति : मोहड़ी, सकोरे और रनवाड़ में सुसमाचार के निमित खुला द्वार के लिए प्रभु को धन्यवाद दें। रंजुनी गाँव में सुसमाचार के लिए द्वार खुला और आराधना सभा शुरू की गई है। सूर्यगढ़ गाँव के दो नए परिवार ने सार्वजनिक रूप से प्रभु में अपने विश्वास को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। पलसन गाँव की रवीनाबाई ने अपने वैवाहिक जीवन के 8 साल बाद एक बच्चे को जन्म दी।

प्रार्थना : विस्थापित विश्वासियों के लिए प्रार्थना करें कि वे अपने मूल गाँवों को वापस आ सकें ताकि नियोजित पारिवारिक आध्यात्मिक सभा, महिला सभा, बाल कार्यक्रम और युवाओं की सभाएँ आयोजित की जा सकें। प्रार्थना करें कि पलसन और उम्बरपाड़ा गाँव में आराधना समूह आरम्भ किया जा सके। सूर्यगढ़, पलसन और रंजुनी गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से अपने विश्वास का अंगीकार करनेके लिए तैयार हो रहे हैं कि वे इसे बिना किसी बाधा के अपने विश्वास का अंगीकार कर सकें।

अक्कलकुवा :

जग मोहन सिंह एवं स्वाति

स्तुति : 18 गाँवों में द्वितीय चरण की सेवकाई पूरी की गई और 36 लोगों ने नए सिरे से परमेश्वर की आराधना 4 स्थानों पर आयोजित की गईं। विनीताबाई के गर्भाशय का सफलतापूर्वक ऑपरेशन हुआ।

प्रार्थना : अमलीबारी मण्डली के प्राचीन मधुकर नायक के परिवार की सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें जिनकी मृत्यु हो गई। संगीताबाई को स्त्री रोग संबंधी समस्या से चंगाई मिले। हमारे स्वयंसेवक उषाबेन और सुनीलभाई के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें।

पेंट : एलेक्स प्रभु एवं प्रिया हेथ्ज़ी

स्तुति : 23 लोगों ने प्रभु पर अपने विश्वास का अंगीकार किया। बुगतबाड़ा चर्च में पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग–अलग छोटे प्रार्थना समूह शुरू किए गए हैं। त्रिंबकेश्वर तालुक के सिगड, सिसवाड़ा, सिराबाली, थमोड़ी और पकोहल गाँवों में सुसमाचार फैलाने के लिए खुला द्वार मिला। दानबाड़ा गाँव की रहने वाली मधुबनी जब रविवार की आराधना सेवा में शामिल हुई तो वह काले जादू के प्रभाव के कारण हुए शारीरिक कमजोरी से चंगाई मिली।

प्रार्थना : अंबे गाँव के एक युवा लड़के गोरख को उसकी नाभि से निकलने वाले मवाद से चंगाई मिले। प्रार्थना करें कि परमेश्वर बुगाटपाड़ा गाँव के हरि को जंगली सूअर के काटने से उसकी जांघ पर लगी चोटों से चंगाई दे। समाधान के लिए प्रार्थना करें जो मानसिक बीमारी के कारण अक्सर घर छोड़कर कहीं भी चला जाता है। दीपक के प्रार्थना करें जो आत्महत्या करने की प्रवृति से जूझ रहा है उसे छुटकारा प्राप्त हो। पंगुलवा गाँव की 10 महीने की अरबा लकवे की बीमारी से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती जयसेल्वी मणिमारन

डहानू :

बसावाराज एवं सनमता

स्तुति : 37 लोगों ने स्वयं को मसीह के झुंड में शामिल कर लिया। इस क्षेत्र में प्रवासी निवासियों के बीच सुसामचार सेवा सफलता पुर्वक संचालित की गई। विभिन्न स्थानों पर 1000 घंटे की प्रार्थनाएँ आयोजित की गईं जो विश्वासियों के लिए एक आशीष का कारण रहा। छोटे समूह के अगुवों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई।

प्रार्थना : सुसमाचार के विरोधी नरपाड़ा गाँव के लोगों के लिए प्रार्थना करें कि वे प्रभु को स्वीकार करें। कलीसिया का प्राचीन मंगेश को परमेश्वर मानसिक बीमारी से चंगाई प्रदान करे। वांगन और कंजदा मंडलियाँ के विश्वासियों के लिए प्राथ्रना करें कि वे अपने मुख्य चर्च में लौटें। प्रार्थना करें कि विरोध के चलते बंद की गई सिलार चर्च आराधना के लिए फिर से खुलने पाए। एक स्थानीय सुसामचार प्रचारक के लिए प्रार्थना करें जिस पर आत्माओं को जीतने का बोझ है ताकि वह अपने लोगों को परमेश्वर के लिए जीत सके।

कर्नाटक

हुबली क्षेत्रीय कार्यालय :

सुनील कुमार एवं संगीता

स्तुति : बसवन्ना वड्डर ने प्रार्थना के माध्यम से अपनी जमीन वापस अपने नाम कर ली। हेमा को 12 साल बाद प्रार्थना के द्वारा संतान का वरदान मिला है। प्रार्थना के माध्यम से गीता को उसके गंभीर पेट दर्द से चमत्कारिक ढंग से चंगाई मिली जब डॉक्टरों ने सर्जरी के माध्यम से उसके पेट से पथरी निकालने की सलाह दी थी। स्ट्रोक के कारण लकवाग्रस्त गंगव्वा को प्रार्थना के द्वाा चंगाई मिली।

प्रार्थना : मुस्लिम समुदाय के मोम्माद, नजीर और राजासबा के लिए प्रार्थना करें जो सार्वजनिक रूप से ईसा मसीह में अपने विश्वास का अंगीकार करने के कारण विरोध का सामना कर रहे हैं। जयश्री को उसके दोनों हाथों की एलर्जी से चंगाई मिले। रुकमा को शैतान के बंधन से छुटकारा मिले क्योंकि वह बुरे सपनों के कारण रात में सो नहीं पाती है। सुनकम्मा की सुरक्षित और सामान्य डिलीवरी के लिए प्रार्थना करें। कमलम्मा को "येलम्मा" नामक बुरी आत्मा के कब्जे से छुटकारा मिलने के लिए प्रार्थना करें जो अपने बच्चे अक्कम्मा और गीता को चर्च में जाने की अनुमति नहीं दे रही है। लम्बे समय से संतान का इंतजार कर रही निर्मला को संतान सुख मिलने के लिए प्रार्थना करें।

सुसमाचार का बोझ

"इगतपुरी जिले के मुगुवंडी गाँव में मंजुला नाम की एक विश्वासिनी रहती है, जो एक उत्साही प्रार्थना योद्धा है। मंजुला और हमारे मिशनरी सुसमाचार फैलाने के लिए एक पड़ोसी गाँव करोली गए थे। करोली के लोगों को देखकर, जो उनके नशे के कारण जाने जाते थे, उन्होंने उनके हृदय परिवर्तन के लिए प्रार्थना करना शुरू कर दिया। शीघ्र ही कुछ लोग प्रार्थना के लिए मंजुला के घर गए और उन्हें प्रार्थना सभा शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया। समय के साथ, संगति में लोगों की संख्या बढ़ने लगी।"

उपवास
प्रार्थना दिवस

जन्मदिन मुबारक

श्रीमती शकिना क्रुपा रक्षणा बर्रे
श्री इमानुएल एस.

खानपुर :

विनयराज एवं शांता

स्तुति : रुद्रप्पा के दाहिने कान की सुनने की क्षमता बढ़ी और दुर्घटना में प्रभावित दाहिने हाथ फिर से सक्रिय हो गया है जो निष्क्रिय था। परिवार के सदस्य जो यीशु मसीह में विश्वास के कारण सुरेश का विरोध कर रहे थे, अब उनसे उनके लिए प्रार्थना करने का अनुरोध कर रहे हैं। येल्लप्पा एवं बसप्पा के गृह निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं के समाधान हेतु प्रार्थना करें। हमारे चर्च के अगुवे बसप्पा की बायीं पसली की हड्डी के फ्रैक्चर और बाइक दुर्घटना के कारण लगी चोटों सं चंगाई मिली।

प्रार्थना : हमारे कलीसिया का प्राचीन बासप्पा के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए, जिनकी मूत्र पथ से पथरी निकालने के लिए सर्जरी की गई थी। अक्सर बीमार रहने वाली सुधा के सुरक्षित प्रसव के लिए प्रार्थना करें जो स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपनी नौकरी छोड़ दी है। प्रमोद के अच्छे स्वस्थ्य और अच्छी नौकरी मिलने के लिए प्रार्थना करें। प्रार्थना करें कि निर्मला को संतान सुख प्राप्त हो जो काफी समय से उनके कोई संतान नहीं हो रहे हैं। रेव्ह. विनयराज को उनके लंबी लम्बी बीमारी से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें जिनका लम्बे समय से इलाज चल रहा है। प्रार्थना करें कि हमारे मिशनरी के बेटे सामुएल को एम.बी. बी.एस. की पढ़ाई के लिए सी.एम.सी. कॉलेज में प्रवेश मिले।

आंध्र प्रदेश

नल्लामाड़ा : दिनेश मड़ैया एवं मैरी मुर्मू

स्तुति : 7 गाँवों में सुसमाचार प्रचार किया गया और 851 लोगों ने नए सिरे से सुसमाचार सुना। रामपुरम की रुथमा जो लक्ष्यहीन घूम रही थी, मानसिक अशांति से ठीक हो गई; परन्तु उसके परिवार के सदस्यों ने उसे चर्च आराधना में भाग लेने से रोका प्रार्थना करें कि वे पश्चाताप करें। तीन साल से सिरदर्द से पीड़ित लक्ष्मीदेवम्मा को चांई मिली।

प्रार्थना : परमेश्वर के खेजियों लक्ष्मी देवी, भगैयामा, हर्ष, हरिसीता, गंगलोमा, नरशिमुडु, अंजिनैलु, रावनामा, नरशिमुडु, अमुरुथा श्री, लोकेश, विसुनु, अन्नुडेपा चंदिरिका, सुनीता, लक्ष्मी देवी, जयमा और सिंधु के लिए प्रार्थना करें कि वे यीशु मसीह को ग्रहण करें। प्रार्थना करें कि जयामक्का बिना किसी जटिलता के उचित दर पर अपनी जमीन बेचने में सक्षम हो। तबीताा को अस्थमा से चंगाई मिले।

रोड्डम :

देबदत्ता लीमा एवं सोनिया

स्तुति : बंदापल्ली गाँव में कलीसिया के प्राचीनों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई जिसमें 18 लोगों ने भाग लिया और आशीषित हुए। कंबलापल्ली, साहपुरम, कोगिरा, एल.जी.बी. नगर, कलुकुंटे और नालुरु गाँवों में तीन आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए। नालुरु, तडांगीपल्ली, बंदापल्ली और सानिपल्ली गाँव में फिल्म सेवा संचालित की गई जिसके माध्यम से 120 लोगों को सुसमाचार प्राप्त हुआ।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि वेंकटापुरम और कम्बालपल्ली गाँव में आराधना सभा की शुरूआत की गई है। गौरवा को बुरी आत्मा से मुक्ति मिले। गोविंदप्पा को दूसरे चरण के रक्त कैंसर से और मुथियालापा को गंभीर अल्सर की समस्या से चंगाई मिले।

जन्मदिन मुबारक

श्री रूबेन रवि एम.
श्रीमती मर्लिन जेनेट फ्रैंकलिन
श्रीमती ग्लैडी ब्यूला सामुएल जेबाकुमार
श्री इजराइल नथानिएल एडवर्ड एस.
श्री वावचन सांसद, श्रीमती उषा येसुबाबू
श्रीमती अंजलि देवी बंदुमिली अग्गीबाड़ा

पेनुगोंडा :

कोंका गिरिबाबू एवं लूरधू मैरी

स्तुति : 2 व्यक्तियों ने यीशु को अपने व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में स्वीकार किया है और कलीसिया में शामिल हो गए। बूमिका एक ट्रांसजेंडर विश्वासी है जिसने आराधना सेवा में आना बंद कर दी थी इन दिनों में वह नियमित रूप से आराधना में भाग ले रही है। लेंटेन दिवस की सभी प्रार्थनाएँ, गुड फ्राइडे और पुनरुत्थान रविवार की सेवाएँ बिना किसी समस्या के सफलतापुर्वक संचालित की गईं।

प्रार्थना : रशेल और याकूब के लिए प्रार्थना करें कि उन्हें संतान सुख प्राप्त हो। अम्मुवारीपल्ली की नारायणम्मा, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है, तंत्रिका संबंधी समस्याओं से चंगाई मिले और रामपुरम गाँव की प्रेमाकुमारी को लकवे की बीमारी से चंगाई मिले।

पालमनेर :

पॉल कुप्पुस्वामी एवं शायला के.

स्तुति : थल्लापल्ली चर्च में आयोजित चर्च एल्डर्स प्रशिक्षण में 19 सदस्यों ने भाग लिया और आशीर्वाद प्राप्त किया। 2 व्यक्तियों ने यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया। चेंगम्मा के पैर से ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाला गया और बायोप्सी रिपोर्ट अच्छी रही।

प्रार्थना : कलीसिया के अगुवों का आगामी प्रशिक्षण, नए विश्वासियों का प्रशिक्षण और महिलाओं का प्रशिक्षण आशीषमय हो। अप्पिनापल्ली क्षेत्र में एक गुरु की ईसा मसीह को जानने की प्रेरणा के कारण लोग सेवकाई के खिलाफ काम कर रहे हैं कृप्या इसके लिए प्रार्थना करें। सुरकुंतला गाँव के हमारे नए विश्वासी रामनप्पा के एक कुत्ते ने 4 भेड़ों को काट लिया, जिसके कारण उसे लगभग 70000 रूपये की हानि उठानी पड़ी कृपया उसके सांत्वाना के लिए प्रार्थना करें। रेडप्पा, गंगाधर, जेम्स, आनंद और बालकृष्ण के लिए प्रार्थना करें कि परमेयवर उन्हें शराब के लत से छुटकारा प्रदान करे। गज्जलवारिपल्ली विश्वासियों को अपने विश्वास में वापस आने और नियमित रूप से चर्च आराधना में भाग लेने के लिए प्रार्थना करें। हेमलता की सुरक्षित एवं सामान्य प्रसव के लिए प्रार्थना करें। हमारे मिशनरी पॉल कुप्पुस्वामी के बेटे प्रणीथ के अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करें क्योंकि कम प्रतिरक्षा शक्ति के कारण वह अक्सर बीमार रहता है। वेंकटरमन को गंभीर टीबी से, एस्तेरम्मा को पैर में ट्यूमर से, नागरत्ना को हृदय की समस्या से और जॉयस मैरी को गर्भाशय में हुए ऑपरेशन से चंगाई मिलने के लिए प्रार्थना करें।

जन्मदिन मुबारक

श्री चंद्रन के. वी.
श्री विजयन टी., श्री अरुल असीर डी.
श्रीमती संतानी बर्धन मनोज कुमार पानी
श्रीमती स्वाति शर्मा जगमोहन सिंह

तमिलनाडु

प्रवासन सेवा :

देवदास (सेवानिवृत्त) एवं आसनत

स्तुति : यूपी और नेपाल के 2 लोगों को ईसा मसीह की मण्डली में किए गए। पुलियामंगलम में सड़क प्रचार और हिंदी में फिल्म शो के माध्यम से आउटरीच संवा पूरी की गई। गुड फ्राइडे आराधना आयोजित की गई जिसमें क्रूस की सात वाणियों में से छह वाणियों का प्रचार नए विश्वासियों द्वारा किया गया था। पुनरुत्थान रविवार सेवा कोराट्टूर और थंडालम में आयोजित की गई थी और 2000 से अधिक हिन्दी ट्रैक्ट वितरित किये गये।

प्रार्थना : प्रार्थना करें कि राज की पारिवारिक समस्या का समाधान हो और वे एक साथ रहें। 9 जून रविवार को रेलवे विभाग में श्री जोसेफ सुब्रमण्यम के नेतृत्व में एक विशेष आउटरीच कार्यक्रम के तहत पूरे तमिलनाडु में 150000 हिंदी ट्रैक्ट वितरित करने की योजना बनाई गई है। परमेश्वर उन विश्वासियों के प्रयासों को आशीर्वाद दें जो अपने लोगों को सुसमाचार सुनाने के लिए उत्तर भारत में अपने गाँवों में गए हैं – बिहार में प्रभाकर, उड़ीसा में बाबूलाल और बिहार में अवदेस।

धर्मी न्यायाधीश

झारखंड के जगनाथपुर में बबीता नाम की एक विश्वासिनी रहती है। वह पाँच महीने की गर्भवती थी जबकि उसका पति गुजरात में प्रवासी मजदूर के रूप में काम करता था। ईश्वर में विश्वास त्यागने के लिए अपने रिश्तेदारों के दबाव का सामना करते हुए, उसने जमीनी विवाद और अपनी जान के खतरे का सामना सामना करना पड़ा। उथल–पुथल के बावजूद, बबीता प्रार्थना में दृढ़ रही और शांति से अपने विरोधियों के लिए मध्यस्थता करती रही। अचानक, उसके प्रतिद्वंद्वी के एक रिश्तेदार के साथ एक घातक दुर्घटना हुई, जिसके कारण आरोप लगाया गया कि बबीता ने अपनी प्रार्थनाओं के माध्यम से उन्हें शाप दिया था। बातचीत की कोशिशों के बावजूद, उसके रिश्तेदार सहमत नहीं हुए। फिर भी, बबिता की प्रार्थनाओं का उत्तर दिया गया, जिससे उसके जीवन में शांति आई। आईए हम प्रार्थना करें कि वह शांतिपूर्ण जीवन जीती रहे और दूसरों के लिए एक सशक्त गवाह बनी रहे।

परमेश्वर ने जीवन फूँका

हरियाणा के दिनेशपुर के तेजपुर गाँव में विक्की केलार नाम की एक आस्तिक रहती है, जिसे डिलीवरी के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने बताया कि उससे पैदा हुआ बच्चा मृत पैदा हुआ है। गंभीर स्थिति के बावजूद, वह हमारे मिशनरियों और अपने परिवार के साथ बच्चे के जीवन के लिए उत्साहपूर्वक प्रार्थना करने लगी। कुछ घंटों के बाद, जब बच्चे ने सांस लेना शुरू कर दिया तो हर कोई आश्चर्यचकित रह गया। हल्लेलूय्याह!

394
मिशनरी एल्बम

श्री इमानुएल का जन्म अरुप्पुकोट्टई में 28 जून 1989 को, अपने माता पिता सूसाई मनिकम और श्रीमती राजेश्वरी के सबसे छोटे पुत्र के रूप में हुआ था परन्तु विरुधुनगर जिले के करियापट्टी में रहते थे। उनका एक बड़ा भाई और एक बड़ी बहन है। उनके परिवार ने उनके जन्म से पहले रोमन कैथोलिक पृष्ठभूमि से लेमेन्स इवेंजेलिकल फेलोशिप चर्च के माध्यम से ईसा मसीह को स्वीकार किया था। वह एक प्रतिज्ञा किया हुआ बच्चा था कि परमेश्वर उसे अपने राज्य के विस्तार के लिए उपयोग करेगा। हालाँकि इमानुएल का जन्म ईश्वर–भयभीत माता–पिता से हुआ था, परन्तु उसने शुरू में मसीह को स्वीकार नहीं किया और पापपूर्ण जीवन में प्रवेश किया। उन्होंने अमेरिकन कॉलेज, मदुरै से कंप्यूटर साइंस में बी.एस.सी. की पढ़ाई पूरी की और और एक साल के लिए एमनेट सिस्टम्स, तेयनमपेट, चेन्नई में वेबपेज डेवलपर के रूप में काम किया। उन्हें चिकनपॉक्स और गंभीर अल्सर हो गया, जिससे फास्ट फूड के सेवन के कारण अंतिम चरण में आंतों की क्षति का निदान हुआ। चंगाई दी। इसके बाद, उन्होंने साईराम इंस्टीट्यूट, मदुरै से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पूरा किया और सुंदरम फास्टनर्स लिमिटेड, महिंद्रा वर्ल्ड सिटी में काम किया। अपनी माँ की प्रार्थना के अनुसार, उन्होंने 25 साल की उम्र में यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया। 2014 में विरुधुनगर के हिज चर्च मल्लंकिनारू में वी.बी.एस. सेवकाई में शामिल होने के दौरान उन्हें उद्धार का अनुभव हुआ। बाद में, परमेश्वर ने उन्हें पूर्णकालिक मिशनरी के रूप में सेवा करने के लिए बुलाया। इस आह्वान के बाद, उन्होंने अपनी नौकरी से इस्तीफा दे दिया और 2015 में एफ.एम.पी.बी. में शामिल हो गए। भगवान ने उन्हें 12 अप्रैल, 2015 को हिमाचल में लोगों के बीच काम करने के लिए एक दर्शन दिया और उन्होंने 2 साल तक हिमाचल में सेवा की।

बहन संगीता का जन्म शिवसैलानूर, तेनकासी में 17 दिसम्बर 1993 को, उनके माता–पिता श्री इसरावेल वेल्लादुरई और श्रीमती अन्नपुष्पम की दूसरी बेटी के रूप में हुआ था। उसकी एक बड़ी बहन और दो छोटी बहनें हैं। उनके पिता एक ईंट भट्टे में काम करते थे और एफ.एम.पी.बी. प्रार्थना समूह के अगुवे के रूप में अंशकालिक संवकाई में शामिल थे। उनके माता–पिता ने अपनी चार बेटियों में से एक को मिशनरी बनने के लिए प्रार्थना की। उन्होंने सारा टकर टीचर ट्रेनिंग, तिरुनेलवेली से अपना डीटीएड पूरा की और 4 साल तक झारखंड के पंदेनी स्थित सेंट थॉमस स्कूल में एक स्वयंसेवी शिक्षक के रूप में काम की। इस बीच परमेश्वर ने उन्हें पूर्णकालिक मिशनरी बनने के लिए बुलाया, परन्तु उन्होंने आरम्भ में इस बुलाहट को इन्कार कर दी। वह ढेंगू और मलेरिया से प्रभावित हो गई और उसकी प्लेटलेट संख्या गिरकर 17,000 हो गई। हालाँकि, जब उन्होंने मिशनरी बनने के उनके आह्वान को स्वीकार किया, तो अगले दिन उनकी प्लेटलेट संख्या बढ़कर 1 लाख हो गई। इस प्रकार, वह झारखंड के स्कूल में लौट आईं। 2017 में, उनके पिता एक चर्च के समर्पण के लिए हिमाचल गए थे, जिसे उन्होंने प्रायोजित किया था। वहाँ उन्होंने श्री इमानुएल से मुलाकात की और प्रार्थना करने के बाद 7 मई, 2018 को अपनी बेटी की शादी इमानुएल से कर दी। एन.आई.एम में संगीता के प्रशिक्षण के बाद , वे एक परिवार के रूप में हिमाचल चले गमिशन क्षेत्र भेजे गए जहाँ उन्हें काफी विरोध का सामना करना पड़ा। फिर भी, परमेश्वर ने इस जोड़े के माध्यम से नेरवा में चमत्कार और अद्भुत काम किये। प्रार्थना करें कि ईश्वर उन्हें अपनी इच्छा के अनुसार संतान का आशीर्वाद प्रदान करे।

श्री इमानुएल जेबाराज एवं श्रीमती संगीता परिवार

Published by: S. John Berlin on behalf of Friends Missionary Prayer Band from 29, High School Road, Ambattur, Chennai 600 053. Tel. 044-2657 0404 E-mail: info@fmpb.org ***Printed by:*** Rasi Graphics (P) Ltd. No. 40, Peters Road, Royapettah, Chennai - 600014. ***Editor: S. John Berlin***